सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गर्मियों में पेट के लिए वरदान है सौंफ..... पेज: 7

नौहीद साइरूसी ने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 57 | शुक्रवार 29 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय एवं संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के मध्य एमओयू संपन्न

नई दिल्ली। दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय एवं संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के मध्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विविध आयामों- शिक्षा, शोध, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा संस्कृत भाषा के संवर्धन हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता संपन्न हुआ। इस समझौते का उद्देश्य शिक्षक शिक्षा, संस्कृत अध्ययन, भारतीय ज्ञान प्रणाली , प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संयुक्त शोध गतिविधियों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों तथा ऑनलाइन शैक्षणिक पाठयक्रमों को प्रोत्साहित करना है। दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो अनु सिंह लाठर और संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के प्रो चांद किरण सलूजा के मार्गदर्शन में दोनों संस्थान शैक्षिक गतिविधियां संचालित करेंगे । दोनों संस्थाएँ विद्यालयी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा में भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक मूल्यों के समावेश की दिशा

पश्चिम बंगाल में बीएसएफ को 600 हेक्टेयर जमीन, अमित शाह बोले- 'एक-एक घुसपैठिए को बाहर करेंगे'

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठ पर कड़ा बयान जारी किया, जिससे संकेत मिलता है कि केंद्र भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए आक्रामक कदम उठाने की तैयारी कर रहा है। गुजरात के गांधीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने सीमा सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने के लिए मात्र सात दिनों के भीतर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को लगभग 600 हेक्टेयर भूमि सौंपी है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक रूप से संवेदनशील "चिकन नेक" कॉरिडोर पर विशेष ध्यान दिया गया है, जहां निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए लगभग 121 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित की गई है। शाह ने दावा किया कि इस तीव्र कार्रवाई से अवैध घुसपैठियों पर दबाव बनना शुरू हो गया है, और रिपोर्टों से पता चलता है कि कड़ी निगरानी और प्रवर्तन के बीच कई घुसपैठिए अब स्वेच्छा से वापस लौट रहे हैं। गृह मंत्री ने अवैध आप्रवासन मामलों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने के लिए राज्य भर में स्थापित किए जा रहे निरोध केंद्रों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर लंबे समय से लंबित बाड़बंदी का काम जल्द ही फिर से शुरू होने की उम्मीद है, जिसका उद्देश्य घुसपैठ के असुरक्षित मार्गों को बंद करना है। केंद्र के कड़े रुख की पुष्टि करते हुए अमित शाह ने घोषणा की कि प्रत्येक अवैध आप्रवासी की पहचान की जाएगी और उसे वापस भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री अधिकारी की घुसपैठियों को कड़ी चेतावनी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि राज्य में अवैध रूप से रह रहे कथित बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने ऐसे मामलों से निपटने के लिए हर जिले में हिरासत केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। विदेशी अधिनियम का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कानून कई वर्षों से मौजूद है और इसे ठीक से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस को निर्देश दिया गया है कि अवैध घुसपैठियों को नियमित जेलों में न रखा जाए। अधिकारी के अनुसार, ऐसे लोगों को जेलों में रखने से देश के संसाधनों पर अनावश्यक बोझ पड़ेगा। इसके बजाय, उन्होंने कहा कि उन्हें बांग्लादेश वापस भेज दिया जाना चाहिए, और उन्हें वापस लेना पड़ोसी देश की जिम्मेदारी है।

सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने सीमा सुरक्षा.....

गुजरात के गांधीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने सीमा सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने के लिए मात्र सात दिनों के भीतर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को लगभग 600 हेक्टेयर भूमि सौंपी है।

सीएम योगी का सख्त निर्देश, स्वास्थ्य-बिजली विभाग हाई अलर्ट पर रखें विशेष निगरानी

लखनऊ एजेंसी: भीषण गर्मी की स्थिति को देखते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को राज्य में राहत और बचाव के लिए सक्रिय कदम उठाने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने जिला मजिस्ट्रेटों (डीएम), स्वास्थ्य और बिजली विभागों तथा राहत एजेंसियों को उच्च सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों को अस्पतालों, पेयजल वितरण और बिजली आपूर्ति प्रणालियों के कामकाज पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था और लू लगने से पीड़ित मरीजों के लिए विशेष सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने जनता से भीषण लू (गर्मियों की हवाओं) के प्रति सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने नागरिकों को बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी और गर्मी से बचने के लिए सूती या खादी के ढीले कपड़े पहनने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सूखे के इस दौर में आकस्मिक आग लगने की आशंका पैदा करने वाली किसी भी प्रकार की लापरवाही के प्रति आगाह किया। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बाहरी कामगारों और श्रमिकों पर विशेष ध्यान दें और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें थकान, निर्जलीकरण और गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचाया जाए। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम की स्थिति में बदलाव का पूर्वानुमान लगाया है। पश्चिमी विक्षोभ और पूर्वी हवाओं के आने से अगले तीन दिनों में लू की स्थिति में सुधार होने की संभावना है। साथ ही, कई क्षेत्रों में गरज, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की चेतावनी भी जारी की गई है। आईएमडी के अनुसार, अधिकतम तापमान जो अब तक 45 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक बना हुआ था, 28 से 30 मई के बीच तेजी से गिरने की संभावना है, जिससे कई उत्तरी और मध्य राज्यों को राहत मिलेगी। गुरुवार को एएनआई से बात करते हुए, आईएमडी के वैज्ञानिक अखिल श्रीवास्तव ने कहा कि यदि हम उत्तर-पश्चिम भारत की बात करें, तो अधिकतम तापमान मुख्य रूप से 45 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक बना हुआ है। हमारा पूर्वानुमान बताता है

पीएम मोदी को चुनौती: राहुल गांधी बोले, छात्रों की परवाह है तो धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करें

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग ओएसएम) मूल्यांकन प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की कड़ी आलोचना की और उन पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वास्तव में छात्रों की परवाह होती तो उन्हें प्रधान को बर्खास्त कर देना चाहिए था। एक्स पर एक पोस्ट में, गांधी ने सवाल उठाया कि सीबीएसई ओएसएम का ठेका कोएम्प्ट को क्यों दिया गया, जो पहले ग्लोबरेना के रूप में काम करते समय विवादों में घिरी कंपनी थी। राहुल गांधी ने लिखा कि धर्मेंद्र प्रधान जी, आप मुझ पर जितना चाहें हमला कर सकते हैं, लेकिन इससे आपके अपराध माफ नहीं होंगे। और न ही यह मुझे 18.5 लाख बच्चों के लिए जवाब मांगने से रोकेगा। उन्होंने आगे पूछा कि सीबीएसई ओएसएम का ठेका कोईएमपीटी को क्यों दिया गया झ जो कंपनी अपने पुराने नाम ग्लोबरेना के तहत पहले से ही विवादों में घिरी हुई है? यह किसके आदेश पर किया गया? पृष्ठभूमि की जांच क्यों नहीं की गई? कोईएमपीटी के प्रबंधन और मोदी सरकार के बीच क्या संबंध है? राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार ने जांच करने के बाद भी चिंताओं को नजरअंदाज किया या फिर उचित जांच-पड़ताल की ही नहीं। उन्होंने कहा कि या तो आपने पृष्ठभूमि जांच की और फिर भी आगे बढ़ गए झ या फिर आपने जांच की ही नहीं। दोनों ही मामलों में आप दोषी हैं। प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि जिम्मेदारी की बात करें तो, अगर प्रधानमंत्री को परवाह होती, तो लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने के लिए आपको बहुत पहले ही बर्खास्त कर देना चाहिए था। इससे पहले गुरुवार को, धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई परिणामों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी के गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि खरीद प्रक्रिया भारत सरकार के मानदंडों के अनुरूप थी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि सीबीएसई ने इस पर पहले ही जिम्मेदारी से जवाब दे दिया है। खरीद भारत सरकार की नीतियों के अनुसार की गई थी। मैं दोहराता हूं, अगर कोई अनियमितता पाई जाती है, तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

सिद्धारमैया दे सकते हैं इस्तीफा, राहुल गांधी से मुलाकात कर राज्यसभा का ऑफर ठुकराने के आसार: सूत्र

कर्नाटक: कर्नाटक की सियासत में गुरुवार (28 मई) को उस समय भारी हलचल मच गई, जब तीन साल पुरानी कांग्रेस सरकार में नेतृत्व परिवर्तन के साफ संकेत मिलने लगे। सूत्रों के हवाले से खबर है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया अपने पद से इस्तीफा देने के बाद आज ही नई दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान और राहुल गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। चर्चा है कि सिद्धारमैया को पार्टी आलाकमान की ओर से राज्यसभा सीट देकर राष्ट्रीय राजनीति में लाने की पेशकश की गई है, जिसे वे विनम्रतापूर्वक ठुकरा सकते हैं क्योंकि उनकी रुचि केंद्रीय राजनीति में जाने की नहीं है। सिद्धारमैया राहुल गांधी से मिलेंगे<सूत्रों के अनुसार, सिद्धारमैया अपना इस्तीफा देने के बाद नई दिल्ली जाएंगे और उन्होंने राहुल गांधी से मिलने का समय मांगा है। सूत्रों ने बताया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री कांग्रेस पार्टी के भीतर नेतृत्व परिवर्तन पर हुई चचाओं के बाद राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देना चाहते हैं। इस बैठक के दौरान वह राज्यसभा सीट के प्रस्ताव को विनम्रतापूर्वक ठुकरा भी सकते हैं। सिद्धारमैया आज अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ नाश्ते पर हुई बैठक के बाद राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मिलकर अपना इस्तीफा दे सकते हैं। यह तब हुआ जब पार्टी आलाकमान ने कथित तौर पर उनसे अपने डिप्टी डीके शिवकुमार के लिए मुख्यमंत्री पद छोड़ने को कहा। नई सरकार 30 मई (शनिवार) को शपथ ले सकती है। कांग्रेस ने सिद्धारमैया को राज्यसभा सीट का प्रस्ताव दिया कांग्रेस आलाकमान ने कथित तौर पर सिद्धारमैया से राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के लिए रास्ता बनाने को कहा है और उन्हें राज्यसभा सीट के साथ पार्टी में केंद्रीय भूमिका का प्रस्ताव दिया है। कुछ सूत्रों का कहना है कि सिद्धारमैया ने शायद इसलिए इस्तीफा देने का फैसला किया है, क्योंकि यह संदेश सीधे पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी की ओर से आया था। मुख्यमंत्री ने कई बार कहा है कि अगर लोकसभा में विपक्ष के नेता उनसे ऐसा करने को कहेंगे

सम्राट चौधरी ने बक्सर स्थित रामरेखा घाट पर मल्टीमीडिया, उडी प्रोजेक्शन मैपिंग, डायनेमिक लाइटिंग शो का उद्घाटन किया

बिहार : यह परियोजना भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत असिस्टेंस टू सेंट्रल एजेंसिज फॉर टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत विकसित की गई है तथा इसका क्रियान्वयन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत मिनी रत्न सीपीएसई बेसिल द्वारा किया गया है। बेसिल की यह परियोजना आधुनिक तकनीक और सांस्कृतिक प्रस्तुति का समन्वय करते हुए रामरेखा घाट की समृद्ध विरासत एवं आध्यात्मिक महत्व को प्रदर्शित करती है, साथ ही क्षेत्र में पर्यटन और पर्यटकों के अनुभव को और अधिक समृद्ध बनाने का कार्य करती है। यह परियोजना बिहार की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने तथा नवाचारपूर्ण एवं विश्वस्तरीय अवसंरचना के माध्यम से पर्यटन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परियोजना के बारे में बोलते हुए, बेसिल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमोडोर डी.के. मुरली (सेवानिवृत्त) ने कहा, यह परियोजना नवीन एवं तकनीक-आधारित समाधानों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के प्रति बेसिल की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। रामरेखा घाट पर यह पहल पर्यटन अवसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ बिहार की कालजयी विरासत को आधुनिक एवं आकर्षक रूप में प्रस्तुत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है इस अवसर पर बिहार सरकार के पशु एवं मत्स्य संसाधन डेयरी विकास विभाग के माननीय मंत्री नंद किशोर राम, बिहार के माननीय पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबेबक्सर विधायक आनंद मिश्रा, जिलाधिकारी साहिला आईएएस तथा बेसिल के उप-महाप्रबंधक बिपिन बी. पांडेय उपस्थित रहे।

नीट विवाद पर राजनाथ सिंह के घर हाई-लेवल मीटिंग, धांधली रोकने पर मंथन, पीएमओ के बड़े अफसर भी रहे मौजूद

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को अपने आवास पर नीट यूजी 2026 परीक्षा पेपर लीक विवाद पर एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक 40 मिनट तक चली और इसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, राष्ट्रीय शिक्षा प्राधिकरण (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह और प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। सूत्रों के अनुसार, चर्चा का मुख्य केंद्र छात्रों और अभिभावकों के बीच नीट परीक्षा की विश्वसनीयता बहाल करना था। अधिकारियों ने परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर भी विचार किया। इससे पहले, धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) मूल्यांकन प्रक्रिया में हुई त्रुटियों की जिम्मेदारी ली। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि अनियमितताएं जानबूझकर की गई थीं, तो सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। प्रधान ने जोर दिया कि सरकार उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन और सत्यापन के दौरान छात्रों द्वारा उठाई गई शिकायतों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधान ने बताया कि सीबीएसई ने ओएसएम प्रणाली का उपयोग करके पहली बार लगभग चालीस करोड़ पृष्ठों की उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन किया है, जिसे उन्होंने विश्व स्तर पर स्वीकृत और छात्र-केंद्रित बताया। उन्होंने कहा कि बोर्ड छात्रों द्वारा सामना की जा रही तकनीकी और भुगतान संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए काम कर रहा है। पेपर लीक की खबरों के बाद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनईटी) ने 3 मई को आयोजित एनईटी यूजी 2026 परीक्षा रद्द कर दी। पुनर्परीक्षा 21 जून, 2026 को आयोजित की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता

ममता की टीएमसी में बड़ी बगावत! काकोली घोष के 24 घंटे बाद शांतनु सेन ने भी छोड़ा पार्टी पद

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. शांतनु सेन ने गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। यह घटनाक्रम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की काकोली दस्तीदार घोष द्वारा अपने सभी पदों से इस्तीफा देने के एक दिन बाद सामने आया है। 2024 के आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले और भ्रष्टाचार का हवाला देते हुए, शांतनु सेन ने पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी को संबोधित अपने इस्तीफे में कहा कि वे अब अनैतिक कृत्यों पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में समर्थन देने के लिए तैयार नहीं हैं। एएनआई समाचार एजेंसी द्वारा साझा किए गए इस्तीफे में यह कहा गया कई मुश्किल दौर में मैं अलग-अलग विचारों से सहमत नहीं था, फिर भी मैंने कई विवादास्पद मुद्दों पर मीडिया में पार्टी के लिए खुलकर आवाज उठाई, जिसके लिए आम जनता ने अक्सर मेरी प्रशंसा की है। लेकिन मौजूदा हालात में, जब बंगाल की जनता ने आरजी कर मामले, अभया मामले और नौकरी के बदले रिश्वतखोरी जैसे कई अनैतिक कृत्यों और भ्रष्टाचार के कारण हमें नकार दिया है, तो अब मेरा मन किसी भी तरह से प्रवक्ता के रूप में उनका समर्थन करने को तैयार नहीं है। इसलिए, जनता के फैसले को ध्यान में रखते हुए, मैं तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा देना चाहता हूं। कृपया मेरा इस्तीफा स्वीकार करें और उसका सम्मान करें।हालांकि कई मुश्किल दौर में मैं अलग-अलग विचारों से सहमत नहीं था, फिर भी मैंने कई विवादास्पद मुद्दों पर मीडिया में पार्टी के लिए खुलकर आवाज उठाई, जिसके लिए आम जनता ने अक्सर मेरी प्रशंसा की है। लेकिन मौजूदा हालात में, जब बंगाल की जनता ने आरजी कर मामले, अभया मामले और नौकरी के बदले रिश्वतखोरी जैसे कई अनैतिक कृत्यों और भ्रष्टाचार के कारण हमें नकार दिया है, तो अब मेरा मन किसी भी तरह से प्रवक्ता के रूप में उनका समर्थन करने को तैयार नहीं है। इसलिए, जनता के फैसले को ध्यान में रखते हुए, मैं तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। अपने इस्तीफे पत्र में उन्होंने कहा कि पार्टी उन्हें एक साथी सांसद के दुर्व्यवहार से बचाने में विफल रही, जिसका उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से बनर्जी की ओर इशारा करते हुए जिक्र किया था। बनर्जी ने लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के मुख्य सचेतक के पद से भी उन्हें हटा दिया था। जहां एक ओर घोष दस्तीदार ने प्रमुख संगठनात्मक पदों से इस्तीफा देकर पार्टी से अपनी दूरी बढ़ा ली है

2024 के आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले और भ्रष्टाचार का हवाला देते हुए, शांतनु सेन ने पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी को संबोधित अपने इस्तीफे में कहा कि वे अब अनैतिक कृत्यों पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में समर्थन देने के लिए तैयार नहीं हैं।

संपादकीय

मूल्यांकन पर आंच

अभी नीट प्रवेश परीक्षा में प्रश्न पत्रों के लीक होने और परीक्षा रद्द होने की सुर्खियों की स्याही सूखी भी न थी कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। निश्चय ही ये घटनाक्रम छात्रों और प्रतियोगियों के परीक्षा व्यवस्था पर भरोसे को कम ही कर रहे हैं। आपदा में अवसर की तलाश में रहने वाले राजनीतिक दलों को छोड़ भी दें, तो भी आम लोग भी सीबीएसई की मूल्यांकन पद्धति पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम प्रणाली में खामियों और विसंगतियों को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। कक्षा बारह के कुछ छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत अपलोड की गई स्कैन प्रतियों और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में विसंगति सामने आने का खुलासा किया है। निश्चित रूप से यह प्रकरण महज एक तकनीकी समस्या से कहीं अधिक का मामला है। यह भारत की उस शीर्ष परीक्षा प्रणाली की बढ़ती विफलता की चेतावनी है, जो लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस घटनाक्रम में एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सीबीएसई ने स्वयं स्वीकार किया है कि गलत उत्तर पुस्तिका भेजी गई थी। हालांकि, मामला तूल पकड़ता देख उसे बाद में सही उत्तर पुस्तिका भेज दी गई। इसी तरह एक अन्य परीक्षार्थी, संजना को भी सीबीएसई की तरफ से कमोबेश ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली है। भला हो सोशल मीडिया का जो इन मुद्दों को देश की जनता के सामने तुरंत ले आता है और देश में इससे एक जनमत बनाने का अवसर मिलता है। हालांकि, यह स्वागत योग्य है कि सीबीएसई ने इन प्रणालीगत त्रुटियों को स्वीकार तो किया। लेकिन जरूरत इस बात की है कि इस लापरवाही के लिये जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा लापरवाही व गलती का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। सीबीएसई को अपनी साख बचाये रखने के लिये इस दिशा में समय रहते सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। यहां सवाल उठता है कि सीबीएसई जैसी परीक्षा नियामक संस्था ने अपने स्तर पर खामियों को दूर करने के लिये कारगर तंत्र क्यों विकसित नहीं किया। वह तब ही जागती है जब मीडिया में घटना सुर्खियां बनती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सीबीएसई ने तब कार्रवाई की और सुधारात्मक कदम उठाये, जब प्रभावित छात्रों ने इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया।

चिंतन-मनन

वैज्ञानिक बनने की चाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारियां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी।

वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसकी प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इधर-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक ग्राहक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशाष्त्री के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए।

डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके साथ रहने लगा। वह उनके सहयोगी और नौकर दोनों की भूमिका निभाता रहा। वह दिन भर कामों में व्यस्त रहता, रात को अध्ययन करता। थकान होने पर भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी। वह भौतिकी के क्षेत्र में खासकर विद्युत के क्षेत्र में बहुत कुछ करना चाहता था। आखिरकार अपनी मेहनत और संकल्प से उसने अपना सपना पूरा किया। वह एक महान वैज्ञानिक बन गया। आज दुनिया उस बालक को माइकल फैराडे के नाम से जानती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

गुजरात में इबोला की आशंका से बढ़ी सतर्कता

कांतिलाल मांडोत

कांगो से आए युवक में संक्रमण की आशंका से स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट...

गुजरात में इबोला वायरस की आशंका ने स्वास्थ्य विभाग और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अफ्रीकी देश कांगो से लौटे एक 37 वर्षीय युवक में इबोला जैसे लक्षण पाए जाने के बाद पूरे राज्य का स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट मोड पर आ गया है। युवक को पहले वडोदरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत और लक्षणों को देखते हुए बाद में अहमदाबाद सिविल अस्पताल में विशेष निगरानी के तहत भर्ती किया गया। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संपर्क ट्रेसिंग और निगरानी की प्रक्रिया तेज कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मरीज करीब दस दिन पहले कांगो से मुंबई पहुंचा था। मुंबई में कुछ दिन रुकने के बाद वह सिलवासा और दमण क्षेत्र गया तथा बाद में 22 मई को वडोदरा पहुंचा। 26 मई को उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। लगातार बुखार और वायरल हेमरेजिक फीवर जैसे लक्षण सामने आने पर डॉक्टरों ने उसे संदिग्ध इबोला मरीज मानते हुए विशेष निगरानी में रखा। मरीज की जांच रिपोर्ट में लीवर एंजाइम्स एसजीपीटी और एसजीओटी का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया। इसके अलावा प्लेटलेट्स भी सामान्य से कम दर्ज किए गए, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई।

इबोला वायरस दुनिया के सबसे खतरनाक संक्रमणों में गिना जाता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क से फैलता है और तेजी से गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। अफ्रीकी देशों में समय-समय पर इसके प्रकोप की खबरें आती रही हैं। यही कारण है कि कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे देशों से आने वाले यात्रियों की विशेष जांच की जा रही है। गुजरात सरकार ने अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशेष स्क्रीनिंग की व्यवस्था भी की है ताकि किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति की समय रहते पहचान की जा सके।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल में मरीज को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उसकी निगरानी कर रही है। अस्पताल प्रशासन ने संक्रमण से बचाव के लिए विशेष प्रोटोकॉल लागू किए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों को पीपीई किट और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम किया जा सके। मरीज की अंतिम जांच रिपोर्ट आने तक उसे पूरी तरह अलग निगरानी में रखा जाएगा।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने बताया कि मरीज के संपर्क में आए सभी लोगों की पहचान की जा रही है। संपर्क में आए लोगों में कुछ को बुखार की शिकायत भी मिली है, इसलिए उनकी मेडिकल जांच और निगरानी शुरू कर दी गई है। एक चिकित्सक और कुछ विदेशी नागरिकों के संपर्क में आने की जानकारी भी सामने आई है। इन सभी लोगों को स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में रखा गया है।

अहमदाबाद मनपा संचालित एसवीपी अस्पताल में भी तीन संदिग्ध मरीजों को क्वारंटीन किया गया है। अस्पताल प्रशासन ने विशेष वार्ड तैयार कर रखा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इलाज शुरू किया जा सके। डॉक्टरों का कहना है कि अभी घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सावधानी और सतर्कता बेहद जरूरी है। संक्रमण की पुष्टि होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।

इबोला जैसी बीमारियां केवल स्वास्थ्य संकट ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी बन जाती हैं। कोविड महामारी के बाद लोगों में संक्रामक रोगों को लेकर संवेदनशीलता बढ़ी है। ऐसे में किसी भी संदिग्ध मामले की खबर तेजी से चिंता का कारण बन जाती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते जांच और निगरानी से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट स्क्रीनिंग, अस्पताल निगरानी और संपर्क ट्रेसिंग जैसे कदम तेजी से शुरू किए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार इबोला संक्रमण के शुरूआती लक्षणों में तेज बुखार, कमजोरी, शरीर में दर्द, उल्टी और रक्तस्राव जैसी समस्याएं शामिल हो सकती हैं। यदि समय पर इलाज और आइसोलेशन न किया जाए तो यह वायरस गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए विदेश यात्रा से लौटने वाले लोगों को किसी भी असामान्य लक्षण की स्थिति में तुरंत जांच करानी चाहिए और स्वास्थ्य विभाग को जानकारी देनी चाहिए।

गुजरात सरकार की सक्रियता इस मामले में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग लगातार अस्पतालों को दिशा निर्देश जारी कर रहा है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि किसी भी संभावित संक्रमण से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। एयरपोर्ट और अस्पतालों में निगरानी बढ़ा दी गई है तथा मेडिकल टीमों को अलर्ट रखा गया है।

यह घटना एक बार फिर यह याद दिलाती है कि वैश्विक स्तर पर फैलने वाली बीमारियों का खतरा आज भी बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा और बढ़ती आवाजाही के कारण किसी भी देश में संक्रमण पहुंचने की संभावना बनी रहती है। ऐसे समय में मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था और त्वरित कार्रवाई ही सबसे बड़ा बचाव साबित होती है। फिलहाल पूरे राज्य की नजर मरीज की अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हुई है। स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अफवाहों से बचने की अपील कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सतर्कता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर किसी भी संभावित खतरे से प्रभावी तरीके से निपटा जा सकता है।

दुनिया का सबसे बड़ा कारनामा माना जाता है एवरेस्ट पर चढ़ाई

योगेश कुमार गोयल

एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे ह्यअंतर्राष्ट्रीय सागरमाथा दिवसह्न के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस भारत, नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है। एवरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का एक प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे सही मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों को एवरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिंग शेरपा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है।

विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है। दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से केवल चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बर्फीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। एवरेस्ट की बर्फीली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं।

माउंट एवरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहां रहस्य और रोमांच से भरपूर होता है, वहीं दीगर सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहां मौत हर कदम पर बांहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है। बस मामूली सी चूक हुई और जिंदगी खत्म। हिमालय पर इस सबसे ऊंचे शिखर का पता 1852 में लगा था। तब भारत में जॉर्ज एवरेस्ट गर्वनर जनरल थे और इस शिखर का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया गया। 1921 में पहली बार माउंट एवरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं। 1922 में जॉर्ज मैलोरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सफल भी हुए। 1924 में जॉर्ज मैलोरी तथा एंड्रू इरविन ने एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया किन्तु दोनों ही बर्फीले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। 29 मई 1953 को पहली बार जब न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने एवरेस्ट को फतेह किया तो पूरी दुनिया में खलबली मच गई क्योंकि उससे पहले भी इसकी कोशिशें तो बहुत हुई किन्तु सफल कोई नहीं हुआ।

पृथ्वी की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए पर्वतारोहियों को अनेक तरह की बाधाओं को पार करना पड़ता है। करीब 8848 मीटर ऊंचे इस शिखर की खड़ी चढ़ाई के दौरान रास्ते में कई ऐसे दर्रे आते हैं, जिनमें से कुछ की गहराई तो करीब 300-400 फुट है और ऐसे दर्रों को प्रायः सीढ़ियां जोड़कर पार किया जाता है, जो बेहद डरावना और मुश्किलों से भरा काम है क्योंकि इन दरारों के बीच जो भी चीज गिरी, वो कभी वापस नहीं लौट सकती। वैसे भी एक बार अगर इन दर्रों को पार करके निकल भी गए तो लौटते समय पुनः इन्हीं दरारों को पार करना पड़ता है। यह चढ़ाई इतनी खतरनाक होती है कि हवा के एक तेज झोंके के साथ ही पर्वतारोही संतुलन खोकर गहरी खाई में दफन हो सकता है।

क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है।

शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ है। देश में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गई। उच्च शिक्षा और उच्च चिकित्सा के नए केंद्र विकसित हुए हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए गए।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि पूरा परिदृश्य केवल निराशाजनक है। पिछले वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं। विशेष रूप से जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई, तब इन क्षेत्रों की संरचनात्मक कमियों की ओर अपेक्षाकृत गंभीर ध्यान दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र में आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। जिला स्तर तक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में भी पहल हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और स्थानीय भाषाओं में अध्ययन पर बल दिया गया। लेकिन भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश में ये प्रयास अभी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। जिस गति से जनसंख्या बढ़ी है, उस अनुपात में सरकारी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार नहीं हो पाया। यही कारण है कि निजी क्षेत्र ने उस खाली स्थान को भर दिया और धीरे-धीरे प्रमुख भूमिका में आ गया। अब आवश्यकता केवल नए संस्थान खोलने की नहीं बल्कि सरकारी शिक्षा और चिकित्सा को अधिक प्रभावी, सुलभ और उद्देश्यपूर्ण बनाने की है। सरकारी विद्यालयों और अस्पतालों की गुणवत्ता बढ़ानी होगी। उनमें आधुनिक संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। निजी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण भी आवश्यक है। शिक्षा और चिकित्सा को पूर्णतः बाजार की शक्तियों पर नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि ये केवल आर्थिक गतिविधियां नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व हैं। शिक्षा नीति को समाज और जीवन से जोड़ना होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी, प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ, समान और मानवीय बनती हैं। सरकार, समाज, नीति निमार्ताओं और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें कोई बच्चा आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न हो और कोई नागरिक उपचार के अभाव में पीड़ित न रहे। यही स्वतंत्र भारत की मूल भावना थी और यही भविष्य का मार्ग भी होना चाहिए।

युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा की संगठन समीक्षा बैठक सम्पन्न, चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर कार्यक्रमों की बनी रूपरेखा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- युवा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह पटेल के दिशा-निर्देशानुसार मंगलवार को युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा द्वारा नगर पालिका परिषद हसनपुर में संगठन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत रत्न स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि से पूर्व आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों, भूमिका एवं संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। पुण्यतिथि को किस तरह जन-जन तक पहुंचाया जाए, इसकी रूपरेखा तैयार की गई। बैठक की समीक्षा युवा प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक कुमार बाफर ने की। अध्यक्षता क्षेत्रीय महासचिव, रूहेलखंड जनाब मुजाहिद चौधरी ने की तथा संचालन जिलाध्यक्ष युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा इरकान अली ने किया। बैठक में युवाओं को संगठन से जोड़ने, बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने और चौधरी चरण सिंह की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने एकजुट होकर आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बांके सिंह चौहान, शहजाद खान, अरबाज, अजीम, राजकुमार चौहान, तस्लीम मोहम्मद, अहमद गुफरान, फहीम मलिक सहित दो दर्जन से अधिक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एपीओ हरीश चौहान ने बेटी के 11वें जन्मदिन पर किया सामाजिक कार्य, 11 क्विंटल भूसा व परदे किए दान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड हसनपुर में तैनात एपीओ हरीश कुमार ने अपनी पुत्री मुक्ता राजपूत के 11वें जन्मदिन के अवसर पर एक अनुकरणीय सामाजिक कार्य किया। उन्होंने ग्राम पंचायत को 11 क्विंटल भूसा दान किया । एपीओ हरीश चौहान ने बताया कि उनकी बेटी मुक्ता राजपूत आज 11 वर्ष की हुई है। इस खुशी के मौके पर उन्होंने समाज की सेवा करने का फैसला लिया। 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 11 क्विंटल भूसा दान किया गया, जो पशुपालकों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। साथ ही ग्राम पंचायत तलावड़ा में स्थित गौशाला के लिए परदे भी दान किए गए हैं, जो कल लगाए जाएंगे। ग्राम पंचायत की ओर से एपीओ हरीश चौहान का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि हरीश चौहान का यह कदम सराहनीय है। आमतौर पर जन्मदिन पर व्यक्तिगत समारोह आयोजित किए जाते हैं, लेकिन उन्होंने इस अवसर को सामाजिक योगदान में बदल दिया। भूसे का दान स्थानीय पशुपालकों को राहत प्रदान करेगा, जबकि परदे गौशाला मे गौवंश की सुविधा बढ़ाएंगे। पंचायत सदस्यों ने मुक्ता राजपूत के उज्ज्वल भविष्य, दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने एपीओ साहब से आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी वे ऐसे ही सामाजिक कार्यों से समाज को प्रेरित करते रहेंगे। इस मौके पर स्थानीय लोग और पंचायत कार्यकर्ता मौजूद रहे। एपीओ हरीश का यह कार्य जिले में सराहना का विषय बन गया है। यह उदाहरण साबित करता है कि छोटी-छोटी खुशियों को भी समाज कल्याण से जोड़ा जा सकता है।

शहरों में सख्ती के बाद गांवों की ओर मुड़े प्रॉपर्टी डीलर, अवैध प्लॉटिंग का नया खेल

अमरोहा (सब का सपना):- शहरों में अवैध प्लॉटिंग पर प्रशासन की सख्ती के बाद प्रॉपर्टी डीलरों ने अब ग्रामीण क्षेत्रों का रुख कर लिया है। सरकार द्वारा अवैध कॉलोनियों और बिना नक्शा पास कराए प्लॉटिंग करने वाले डीलरों पर शिकंजा कसते ही इनका खेल गांवों की तरफ शिफ्ट हो गया है। सूत्रों की मानें तो शहरों में लगातार हो रही छापेमारी और एडीए-विकास प्राधिकरण की कार्रवाई से बचने के लिए बड़े प्रॉपर्टी डीलर अब गांवों में सस्ती जमीन खरीदकर अवैध तरीके से प्लॉट काट रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में न तो नक्शा पास कराने का झंझट है और न ही विकास शुल्क जमा करने का डर। कृषि योग्य भूमि को ऊंचे दामों में खरीद कर छोटे-छोटे टुकड़ों में बेचा जा रहा भोले-भाले किसानों को ऊंचे दाम का लालच देकर कृषि भूमि खरीदी जा रही है और फिर उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर बेचा जा रहा है। इतना ही नहीं, इन प्रॉपर्टी डीलरों का खेल भी निराला है। ऐसे डीलर ग्रामीण क्षेत्रों में मार्केट रेट से कुछ महंगे दामों पर किसान से जमीन का सौदा करते हैं। कुल रकम का कुछ प्रतिशत किसान को पहले दे दिया जाता है और बाकी भुगतान के लिए 6 महीने या 1 साल का समय ले लिया जाता है। उसके बाद तुरंत प्लॉट काटकर बेचना शुरू कर दिया जाता है। महंगाई और ज्यादा मुनाफे के लालच में किसान भी अपनी जमीन बेच देता है, लेकिन समय पर पूरा भुगतान न मिलने से आखिर में किसान के हाथ कुछ नहीं लगता।

जनपद के हसनपुर, धनौरा तहसील क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खेला जा रहा यह खेल

जनपद के हसनपुर और धनौरा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत दर्जनों गांवों में पिछले कुछ वर्षों से कई ऐसी अवैध कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। ग्राहकों को लुभाने के लिए ये प्रॉपर्टी डीलर जमीन को 143 में दर्ज बताते हैं और 30 फुट चौड़ी सड़क का झांसा देकर भोले-भाले ग्रामीणों को 50 गज, 60 गज, 100 गज और 200 गज के प्लॉट बनाकर ठगने का काम कर रहे हैं।

सफेदपोशों के संरक्षण का आरोप

चर्चा है कि इन प्रॉपर्टी डीलरों के सिर पर कई सफेदपोश नेताओं का हाथ है। इसी वजह से इनके खिलाफ कार्रवाई करने में विभागीय अधिकारी भी कतराते हैं। बिना ले-आउट पास कराए, बिना धारा-143 के तहत भू-उपयोग परिवर्तन और बिना मूलभूत सुविधाओं के ही कॉलोनियां बसाई जा रही हैं। सड़क, नाली, बिजली, पानी की कोई व्यवस्था नहीं होती। बाद में प्लॉट खरीदने वाले लोग दाखिल-खारिज, रजिस्ट्री और मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होते हैं।

प्रशासन सख्त, जल्द चलेगा अभियान

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी अवैध प्लॉटिंग की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। जल्द ही राजस्व और विकास प्राधिकरण की संयुक्त टीम बनाकर गांवों में भी अभियान चलाया जाएगा। अवैध कॉलोनाइजरों को चिह्नित कर एफआईआर दर्ज की जाएगी और भू-माफिया एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई होगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांवों की उपजाऊ जमीन को बर्बाद होने और गांवों को उजड़ने से बचाने के लिए अवैध प्लॉटिंग पर तुरंत रोक लगाई जाए। साथ ही दोषी डीलरों के साथ-साथ संरक्षण देने वाले नेताओं पर भी कार्रवाई हो।

खंड विकास अधिकारी विजय कुमार सक्सेना ने गौशाला को किया 31 क्विंटल भूसा दान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा के विकासखंड हसनपुर में खंड विकास अधिकारी विजय कुमार सक्सेना ने गौमाता की सेवा के लिए एक सराहनीय कार्य किया। उन्होंने गौशाला में 31 क्विंटल भूसा (चारा) दान किया। सक्सेना ने बताया कि गौशालाओं में चारे की निरंतर कमी बनी रहती है। इस समस्या को देखते हुए उन्होंने अपनी ओर से 31 क्विंटल भूसा उपलब्ध कराया। यह दान गौशाला में रखे गए गौवंशों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। खंड विकास अधिकारी विजय कुमार सक्सेना ने स्थानीय लोगों, किसानों और समाजसेवियों से अपील की कि वे गौशालाओं में ज्यादा से ज्यादा चारा, भूसा, हरा चारा और अन्य आवश्यक सामग्री का दान करें। उन्होंने कहा कि गौमाता हमारी माता है और उसकी रक्षा एवं देखभाल करना हर नागरिक का दायित्व है। सामूहिक प्रयास से ही गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।गौशाला प्रबंधन ने खंड विकास अधिकारी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सक्सेना का यह योगदान प्रेरणादायक है और अन्य अधिकारीगण व जनप्रतिनिधियों को भी ऐसे कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

इस अवसर पर गौशाला में मौजूद पशुपालक और स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। खंड विकास अधिकारी का यह कदम अमरोहा जिले में गौसेवा की दिशा में एक सकारात्मक मिसाल बना है।

युवा रालोद जिलाध्यक्ष इरकान अली ने दी ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद

बोले- मोहब्बत और किसानों की आवाज ही असली सियासत

अमरोहा (सब का सपना):- युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा के जिलाध्यक्ष इरकान अली ने ईद-उल-अजहा के त्यौहार पर जिले के सभी नागरिकों को गले मिलकर दिली मुबारकबाद पेश की। उन्होंने इस अवसर पर एकता और भाईचारे का संदेश दिया। इरकान अली ने कहा कि मोहब्बत, भाईचारा और किसानों की आवाज ही हमारी असली सियासत है। हमारा मकसद नफरत की दीवारें गिराकर समाज को एक सूत्र में पिरोना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल हमेशा चौधरी चरण सिंह के बताए रास्ते पर चलकर किसान, मजदूर और आमजन की लड़ाई लड़ता रहेगा। आगे कहा कि ईद-उल-अजहा का त्योहार हमें त्याग, कुर्बानी और जरूरतमंदों की मदद का पैगाम देता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि समाज में सभी को साथ लेकर चलना ही सबसे बड़ी इबादत है। जिलाध्यक्ष ने दुआ की है कि यह ईद आप सभी के जीवन में अमन, खुशहाली और भाईचारे की नई रोशनी लेकर आए। उन्होंने जिले में शांति, तरक्की और समृद्धि के लिए भी अल्लाह से दुआ की। इस दौरान पार्टी कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने भी एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी।

ईद-उल-अजहा पर अमरोहा में रही चाक-चौबंद सुरक्षा, डीएम-एसपी ने भ्रमण कर लिया जायजा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा में बुधवार को ईद-उल-अजहा का पर्व पूरी शांति, सौहार्द एवं उल्लास के साथ मनाया गया। पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव एवं जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने पूरे जनपद में भ्रमणशील रहकर ईदगाहों एवं मस्जिदों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने नमाज को शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया और लोगों को ईद की मुबारकबाद दी।

पर्व के दृष्टिगत जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती गई। सभी ईदगाहों एवं मस्जिदों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार भ्रमण किया गया। जनपद पुलिस ने ड्रोन कैमरों एवं सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी। यातायात व्यवस्था को भी सुचारू बनाए रखा गया, जिससे नमाजियों को कोई परेशानी न हो। पुलिस प्रशासन ने जनता से आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं शांति बनाए रखने की अपील की। अधिकारियों की सजगता और लोगों के सहयोग से ईद-उल-जुहा का पर्व जनपद में बिना किसी अप्रिय घटना के सम्पन्न हुआ। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

धनौरा में शांतिपूर्ण तरीके मनाया गया ईद-उल-अजहा का त्यौहार, नमाजियों ने देश में अमन-चैन के लिए मांगी दुआएं

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा नगर व आसपास के क्षेत्र में ईद-उल-अजहा का त्यौहार सकुशल तरीके संपन्न हुआ। गुरुवार को ईद के त्यौहार पर नमाजियों ने मस्जिदों में जाकर बड़े ही शांतिपूर्ण, पारंपरिक एवं उत्साह के साथ नमाज अदा की। इस दौरान उन्होंने देश में अमन चैन कायम रखने के लिए दुआएं कीं। धनौरा नगर एवं आसपास के क्षेत्र में ईद के पर्व पर मुस्लिम समुदाय के लोगों में आपसी भाईचारा एवं खुशी का माहौल देखने को मिला। वहीं ईद के पर्व को सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से सकुशल संपन्न कराने के लिए शासन प्रशासन भी पूरी तरह से अलर्ट मोड पर दिखाई दिया। जिसके तहत नगर व क्षेत्र में स्थित मस्जिदों पर पुलिस का कड़ा पहरा रहा। बता दें कि गुरुवार ईद उल अजहा के त्योहार पर नगर की ऐतिहासिक जामा मस्जिद में नमाजियों की भारी भीड़ देखने को मिली।इसके अतिरिक्त, एक मीनार मस्जिद, स्टेशन रोड स्थित मदीना मस्जिद, तहसील वाली मस्जिद, सुनहरी मस्जिद, फैज-ए-आम, कब्रिस्तान वाली मस्जिद और सुभाषनगर स्थित तेलियों वाली मस्जिद में भी हजारों श्रद्धालुओं ने ईद की नमाज अदा की।नमाज के बाद, बारगाहे-इलाही में हाथ उठाकर देश में अमन-चैन, तरक्की, खुशहाली और आपसी सौहार्द के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर 'ईद मुबारक' कहा और बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया।बच्चों में त्योहार को लेकर खासा उत्साह देखा गया, जिन्होंने नमाज के बाद सजे मेलों और बाजारों का आनंद लिया। सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से कुर्बानी की रस्म भी अदा की गई।त्योहार को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अमला पूरी तरह सतर्क रहा। उपजिलाधिकारी (SDM) शैलेश कुमार दुबे ,ईओ अभदेश वर्मा और चौकी प्रभारी नीरज कुमार भारी पुलिस बल के साथ लगातार क्षेत्र में गश्त करते रहे, जिससे सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल और सपा नेता लता सागर ने मुस्लिम समाज के लोगों के बीच पहुंचकर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी।इस दौरान डॉ. शराफत अली, फईम साबरी, अनसब कुरैशी, निसार फारुकी, फिरोज मंसूरी, कलुआ सैफी ठेकेदार, ताज अहमद, डॉ. नवाब सैफी, डॉ. इस्माइल सैफी, डॉ. शौकत अली, आसिफ रायनी, फईम अंसारी, रियाज सैफी, जुनैद सैफी, शमीम सैफी, शब्बीर खलीफा, भूरे जसपुरिया, शरीफ मंसूरी, आलम शेख, फुरकान सैफी, रहीस सैफी, महताब मंसूरी और अफजाल सभासद सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मौसम को लेकर जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की जनपदवासियों से अपील

मौसम संबंधी चेतावनियों को गंभीरता से लें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का करें पालन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जनपद अमरोहा में संभावित खराब मौसम, तेज आंधी, वर्षा, वज्रपात, जलभराव एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दृष्टिगत जिला प्रशासन पूर्ण सतर्कता एवं सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है। सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है तथा आवश्यक बचाव एवं राहत व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि प्रिय जनपदवासियों, मौसम विभाग द्वारा आगामी समय में तेज आंधी, बारिश, वज्रपात एवं खराब मौसम की संभावना व्यक्त की गई है। आप सभी से अपील है कि मौसम संबंधी चेतावनियों को गंभीरता से लें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। आपकी सतर्कता एवं सावधानी से किसी भी प्रकार की जनहानि एवं दुर्घटना को रोका जा सकता है। खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। बच्चों, बुजुर्गों एवं पशुओं की विशेष सुरक्षा सुनिश्चित करें।

किसी भी आपात स्थिति में तत्काल जिला प्रशासन अथवा कंट्रोल रूम को सूचना दें। जिलाधिकारी ने आंधी-तूफान के दौरान सावधानियां बरतने व खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, खेतों एवं पेड़ों के नीचे खड़े न हों। कच्चे एवं कमजोर मकानों से सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। घरों की खिड़कियां एवं दरवाजे बंद रखें। छतों पर रखी ढीली वस्तुओं को सुरक्षित बांध दें। वाहन धीरे चलाएं एवं अनावश्यक यात्रा से बचें।बिजली के खंभों एवं टूटे तारों से दूर रहें। वज्रपात (बिजली गिरने) से बचाव करने के लिए बारिश एवं गरज-चमक के दौरान मोबाइल फोन का सीमित उपयोग करें। खुले मैदान, तालाब, नदी एवं ऊंचे स्थानों से दूर रहें। पेड़ों के नीचे शरण न लें। धातु की वस्तुओं एवं बिजली उपकरणों से दूरी बनाए रखें। घर में रहें एवं विद्युत उपकरणों के प्लग निकाल दें। खेतों में कार्य कर रहे किसान तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचें। याद रखें कि जब गरज सुनाई दे, तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाएं। तेज वर्षा एवं जलभराव के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें। नालों, पुलों एवं तेज बहाव वाले पानी के पास न जाएं। बच्चों को पानी भरे क्षेत्रों में खेलने न दें। पीने के पानी को ढककर रखें एवं उबालकर प्रयोग करें। आवश्यक दवाइयां एवं टॉर्च आदि पहले से तैयार रखें। किसानों हेतु विशेष सलाह मौसम खराब होने की संभावना पर कटाई की गई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें। कृषि उपकरण एवं पशुओं को सुरक्षित स्थान पर बांधें। खेतों में कार्य करते समय मौसम अपडेट पर नजर रखें। बिजली चमकने पर तुरंत खेत से बाहर निकल जाएं। पशुपालकों हेतु निर्देश देते हुए कहा कि पशुओं को खुले स्थानों पर न बांधें। पशुशालाओं की मजबूती सुनिश्चित करें। पशुओं के लिए सूखा चारा एवं स्वच्छ पानी की व्यवस्था रखें। आपातकालीन तैयारी मोबाइल फोन चार्ज रखें। आवश्यक दस्तावेज सुरक्षित एवं जलरोधक स्थान पर रखें। प्राथमिक उपचार किट तैयार रखें। टॉर्च, बैटरी एवं आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध रखें। प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाएं

जिला एवं तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय। राहत एवं बचाव दलों को अलर्ट पर रखा गया। स्वास्थ्य विभाग एवं एम्बुलेंस सेवाएं सक्रिय।

विद्युत एवं नगर निकाय विभाग को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी की जा रही है। आपातकालीन स्थिति में जिला कंट्रोल रूम, अमरोहा 05922-252100, 252800, आपातकालीन सेवाएं पुलिस : 112 एम्बुलेंस : 108 अग्निशमन : 101

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, अमरोहा से संपर्क करें।

रजबपुर क्षेत्र में युवक पर फर्जी पशु चिकित्सक बनकर इलाज करने के आरोप में केस दर्ज, जांच शुरू

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में एक युवक पर फर्जी पशु चिकित्सक बनकर इलाज करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि युवक बिना पंजीकरण के पशु चिकित्सा का कार्य कर रहा था। इस मामले में जिलाधिकारी के आदेश पर एवं उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में गठित एक टीम ने पुलिस बल के साथ मिलकर गांव में छापेमारी करते हुए युवक को मौके पर पकड़ा है। बता दें कि इस मामले में एफआईआर के मुताबिक जब टीम मौके पर पहुंची, तो एक युवक अपनी मोटरसाइकिल से एक बीमार भैंस का उपचार करने के लिए वहां आया था। जांच के दौरान, उससे पशु चिकित्सा व्यवसाय से संबंधित पंजीकरण प्रमाण पत्र मांगा गया, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।आरोपी युवक की पहचान थाना क्षेत्र के गांव पपसरा निवासी तनुज कुमार पुत्र धीर सिंह के रूप में हुई है। इसके बाद, टीम ने युवक की मोटरसाइकिल की डिग्गी और उसके साथ रखे बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान, पशु चिकित्सा कार्य में उपयोग होने वाले उपकरण और अन्य सामग्री बरामद की गई। टीम ने बरामद सामान को सील कर अपने कब्जे में ले लिया।तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि युवक कथित तौर पर आम लोगों से पैसे लेकर अवैध रूप से पशु चिकित्सा कार्य कर रहा था। अधिकारियों ने इस कृत्य को भारतीय पशु चिकित्सा अधिनियम 1984 और संबंधित कानूनी धाराओं के तहत दंडनीय बताया है।रजबपुर पुलिस ने 27 मई को उप मुख्य पशु चिकित्सक अधिकारी डॉ चमन प्रकाश अमरोहा द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।इस मामले की जांच रजबपुर थाना के वरिष्ठ उप निरीक्षक नरेशपाल सिंह राणा को सौंपी गई है। थाना प्रभारी विकास सहरावत ने बताया कि पुलिस मामले में वैधानिक कार्यवाही कर रही है।

बहजोई ईदगाह में अकीदत के साथ अदा की गई ईद-उल-अजहा की नमाज

मुस्लिम समाज के लोगों ने एकत्र होकर अमन-चैन और खुशहाली की मांगी दुआ

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित ईदगाह में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व बृहस्पतिवार को पूरे धार्मिक उत्साह, भाईचारे और अकीदत के साथ मनाया गया। सुबह से ही ईदगाह में नमाजियों का पहुंचना शुरू हो गया था। निर्धारित समय पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने एकत्र होकर ईद की विशेष नमाज अदा की और देश, प्रदेश तथा जनपद में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली के लिए दुआ मांगी। नमाज से पूर्व इमाम द्वारा ईद-उल-अजहा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की कुबार्नी की सीख को याद किया गया। उन्होंने कहा कि यह पर्व त्याग, समर्पण, सेवा और मानवता का संदेश देता है। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और भाईचारे की मिसाल पेश की। ईदगाह परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नमाज के दौरान यातायात व्यवस्था को भी सुचारू बनाए रखा गया, जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो। ईदगाह के बाहर सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों द्वारा पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। नमाज के बाद लोगों ने अपने घरों और रिश्तेदारों के यहां पहुंचकर ईद की खुशियां साझा कीं। बच्चों और युवाओं में पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। बहजोई ईदगाह में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई ईद की नमाज ने एक बार फिर गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक एकता का संदेश दिया। पूरे क्षेत्र में ईद के पर्व को लेकर उल्लास और खुशी का वातावरण बना रहा।

ईद-उल-अजहा पर सुरक्षा व्यवस्था का डीएम-एसपी ने लिया जायजा, ड्रोन से रखी गई निगरानी

संभल(सब का सपना):- जनपद में ईद-उल-अजहा पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बृहस्पतिवार को थाना हयातनगर क्षेत्र के कमलपुर सराय स्थित मुख्य ईदगाह का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने ईदगाह परिसर और आसपास के क्षेत्रों का जायजा लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की तथा ड्रोन कैमरे के माध्यम से भी पूरे क्षेत्र पर सतर्क निगरानी रखी।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने, भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने तथा संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए ईद-उल-अजहा का पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। साथ ही सभी जनपदवासियों को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक एकता और सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में सभी प्रमुख ईदगाहों एवं मस्जिदों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस और प्रशासन की टीमें लगातार भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या अवांछनीय गतिविधि को तत्काल रोका जा सके। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, उपजिलाधिकारी संभल सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सुरक्षा प्रबंधों का विस्तृत निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और त्योहार को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पूरी मुस्तैदी से कार्य करने के निर्देश दिए। जनपद में ईद-उल-अजहा के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, जिससे पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

अफजलगढ़ क्षेत्र में ईदुल अजहा (बकरीद) का त्योहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया

ईदगाह पर पूर्व विधायक शेख सुलेमान,थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी व कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार ने मुस्लिम समाज के लोगों को दी ईद की शुभकामनाएं

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में ईदुल अजहा (बकरीद) का त्योहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। सवेरे ईदगाह पर नमाज के बाद कुबार्नी की रस्म अदा की गई। ईदगाह में देश में खुशहाली और तरक्की व अमन-चैन कायम की दुआं को लेकर एक साथ उठें हजारों हाथ। इस दौरान नमाज के बाद ईदगाह पर पूर्व विधायक शेख सुलेमान,चेयरपर्सन पति जावेद विकार,पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट व मेम्बर कलवा कुरैशी सहित थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी व कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार ने मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की शुभकामनाएं दी। इससे पहले ईदगाह में मुफ्ती सईदुर्रहमान ने मुस्लिम समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि कुबार्नी इस्लाम का एक महत्वपूर्ण फर्ज है। कुबार्नी का मायने खुदा को राजी करना है। कुबार्नी करते हुए बहुत बातों को ध्यान रखना है। ऐसा कार्य ना करें जिससे किसी को भी परेशानी हो। ईदुल अजहा के दिन अल्लाह की रजा के लिए कुबार्नी की जाती है। इसकी नुमाइश ना की जाए। कुबार्नी करते समय दूसरे समुदाय की भावनाओं का भी ख्याल रखा जाए। कुबार्नी के बचे हुए अवशेषो को गड्ढे में दबाया जाए तथा सड़क पर कुबार्नी के अवशेष ना फेंके दूसरे समाज की भावनाओं का भी ख्याल करें। गुरुवार को नगर की ईदगाह में प्रातः साढ़े सात बजे मुफ्ती सईदुर्रहमान ने ईदुल अजहा की नमाज अदा कराई। जबकि जामा मस्जिद में आठ बजे मुफ्ती मौहम्मद नईम,मार्क्स वाली मस्जिद में छह बजे मौलाना मुख्तार, अबुबक्र कब्रिस्तान वाली मस्जिद में पौने छह बजे मुफ्ती जमशेद आलम मजाहिरी,मेघपुर की ईदगाह में सवा सात बजे मौलाना हासिम,रेहड़ की ईदगाह में पौने आठ बजे मौलाना युनूस अहमद,भूतपुरी क्षेत्र के गांव मनोहरवाली में ईदगाह में साढ़े सात बजे मौलाना रियाज अहमद, सुआवाला ईदगाह में सात बजे कारी नसीम अहमद, कासमपुरगढ़ी ईदगाह में सवा सात बजे मौलाना महमुदुल हसन अंसारी व मानियावाला ईदगाह पर साढ़े सात बजे मुफ्ती नईम अहमद ने ईदुल अजहा की नमाज अदा कराई। वही नगर पालिका अफजलगढ़ की ओर से इस बार ईदगाह में काफी साफ सफाई व ईदगाह गेट को बहुत ही सुन्दर तरीके से अनोखे अंदाज में सजावट देखने को मिली इसके अलावा अधिक गर्मी को देखते हुए ईओ एसपी सिंह व चेयरपर्सन पति जावेद विकार की ओर नमाजियों तक हवा पहुंचाने के लिए पूरी ईदगाह में कूलर की व्यवस्था की गई। नगरवासियों ने ईओ एसपी सिंह व चेयरपर्सन पति जावेद विकार की सराहनीय की। ईदगाह अफजलगढ़ में नमाज के बाद मुफ्ती सईदुर्रहमान ने देश में खुशहाली और तरक्की व अमन-चैन कायम को लेकर दुआएं मांगी गई। दुआं में एक साथ उठें हजारों हाथ। इसके बाद कुबार्नी की रस्म अदा की गई। मुस्लिम समाज के लोगों ने एक दूसरे के घर जाकर ईदुल अजहा की बधाई दी। वही नगर के विभिन्न स्थानों पर मुस्लिम मोहल्ले में मेले जैसा माहौल रहा। बच्चों ने झूले एवं चाट पकौड़ी का जमकर आनंद लिया। इस दौरान नमाज के बाद अफजलगढ़ ईदगाह पर पूर्व विधायक शेख सुलेमान,चेयरपर्सन पति जावेद विकार,पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट,मेम्बर कलवा कुरैशी सहित थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी व कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार ने मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की शुभकामनाएं दी। सुरक्षा की दृष्टि से थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी, अफजलगढ़ कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार, महिला सब इंस्पेक्टर रीनू पंवार सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। ईदगाह व जामा मस्जिद के बाहर पूर्व विधायक शेख सुलेमान, चेयरपर्सन पति जावेद विकार,पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट,मेम्बर कलवा कुरैशी,पूर्व चेयरपर्सन पति शेख इरशाद हुसैन, पूर्व चेयरमैन नफीस अहमद कुरैशी, भाजपा नेता मास्टर समीम अंसारी, सभासद मुकीब खां सूरी,सभासद डॉ शाहिद हुसैन,समीम अंसारी भट्टे वाले,सूफी कदीरा, समाजसेवी अफजाल असलूब अंसारी,पूर्व सभासद खलील अहमद उर्फ पप्पू पठान,समाजसेवी इमरान शाह भंडारी,शेख इस्माइल तुर्क,सपा नगर अध्यक्ष शेख इरशाद हुसैन, रियासत हुसैन अंसारी,शकील कुरैशी, मौलाना खुर्शीद अहमद, सभासद शेख इमरोज, परवेज विकार, सभासद पति दिलशाद ठेकेदार, सभासद रियासतुल्ला हुसैन नसीम अहमद, समाजसेवी कासिम उर्फ काला कुरैशी, समाजसेवी कासिफ अंसारी, भाजपा नेता वसीम अंसारी, समाजसेवी कसीम कुरैशी, रिजवान अंसारी, इसरार अहमद कस्सार, मेहर आलम एडवोकेट ,सभासद शाहनवाज सिद्दीकी नदीम हानी, नजाकत हुसैन कुरैशी जुनैद विकार,पूर्व सभासद कासिम अंसारी, समाजसेवी इकराम अली,कमालुद्दीन अंसारी तथा मुजम्मिल अंसारी आदि मौजूद रहे।

लापरवाही पर थाना प्रभारी लाइन हाजिर, पुलिस अधीक्षक ने दिए जांच के निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- थाना हीमपुर दीपा में हत्या से संबंधित एक अभियोग की विवेचना के दौरान थाना प्रभारी द्वारा एक अभियुक्त के विरुद्ध धाराओं का अल्पीकरण किए जाने का मामला सामने आया है। इसे कर्तव्यों के प्रति लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता मानते हुए पुलिस प्रशासन ने गंभीर रुख अपनाया है।

इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रभारी निरीक्षक थाना हीमपुर दीपा को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है। साथ ही अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) को उनके विरुद्ध विभागीय जांच किए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने जनपद के समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि ऐसा कोई भी कृत्य न करें जो विधि के प्रतिकूल हो।

यदि किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी द्वारा नियम-विरुद्ध कार्य किए ज ाने का मामला संज्ञान में आता है, तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

स्याना में ईद-उल-अजहा की नमाज कड़ी सुरक्षा और निगरानी के बीच शांतिपूर्ण ढंग से हुई संपन्न

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- त्योहार को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की ,और साथ ही नमाजियों से आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की , नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। एसडीएम लालजी विश्वकर्मा और सीओ रामकरण सिंह ने भी क्षेत्र के नागरिकों को ईद की शुभकामनाएं दीं। एसडीएम लालजी विश्वकर्मा और सीओ रामकरण सिंह ने बताया कि प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी नहीं होगी। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और लोगों से परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ त्योहार मनाने का आग्रह किया। नगर पालिका ईओ ने ईदगाह का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था पहले ही दुरुस्त करा दी थी। एसडीएम और सीओ के नेतृत्व में पुलिस बल नगर के मुख्य चौराहों, मस्जिदों के बाहर और गली-मोहल्लों में लगातार गश्त करता रहा। गुरुवार सुबह सात बजे से पहले ही शहर और देहात से अकीदतमंद ईद की नमाज के लिए ईदगाह पहुंचने लगे थे। शहर काजी ने तकरीर में अल्लाह के बताए उसूलों पर चलने, समाज में प्यार-भाईचारा बनाए रखने और जरूरतमंदों की मदद करने का आह्वान किया। नमाज के बाद सभी अकीदतमंदों ने देश में अमन-चैन की दुआ मांगी। नमाज के बाद कई अकीदतमंद कब्रिस्तान पहुंचे और फातिहा पढा।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ऋषिपाल सिंह चौधरी, मंडल अध्यक्ष संदीप त्यागी सभासद नीरज त्यागी, अमित त्यागी, सरिता आर्या, खालिद कुरैशी, साजिद सैफी, साजिद चौधरी, आरिश मिर्जा, अनस मिर्जा, मुस्ते हसन, गुलजार, अफजल सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

माँ भगवती इंटरनेशनल स्कूल में दो दिवसीय समर कैम्प का उत्साहपूर्ण समापन

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के माँ भगवती इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित दो दिवसीय समर कैम्प का सफल एवं हर्षोल्ला सम्पूर्ण समापन हुआ कार्यक्रम का शुभारम्भ दिनांक 25 मई को विद्यालय के प्रबंधक कपिल कुमार सिंघल, एवं प्रधानाचार्य सतीश कुमार शर्मा, द्वारा फीता काट कर किया गया इस समर कैम्प में विद्यालय की कक्षा 3 से कक्षा 8 तक के लगभग 70 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया कैम्प का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं टीम भावना को बढ़ावा देना रहा। विद्यालय सदैव विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने नवीन एवं आकर्षक गतिविधियों का आयोजन करता रहता है। विद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान, नेतृत्व क्षमता एवं आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करना है कैम्प के प्रथम दिवस विद्यार्थियों ने थिएटर, आर्ट एंड क्राफ्ट, म्यूजिक, डांस एवं रेन डांस जैसी मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया बच्चों की कलात्मक अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास एवं उत्साह ने सभी का मन मोह लिया द्वितीय दिवस की शुरूआत प्रात योग एवं जुम्बा सत्र से हुई जिससे बच्चों में ऊर्जा एवं सकारात्मकता का संचार हुआ। इसके उपरान्त सभी विद्यार्थियों को रिफ्रेशमेंट प्रदान किया गया। बच्चों ने घुड़सवारी, मिकी माउस एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों का आनंद उठाया। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं ने स्वयं भेलपुरी एवं सैंडविच बना कर सभी को परोसे, जिससे उनमें सहयोग, रचनात्मकता एवं आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हुई। समर कैम्प का मुख्य आकर्षण पूल पार्टी रही जिसमें बच्चों ने जमकर मस्ती की, इसके पश्चात विद्यार्थियों को पेस्ट्री एवं केक बनाने की रोचक कला भी सिखाई गई। जिससे बच्चों में नई चीजें सीखने के प्रति उत्सुकता एवं आत्मविश्वास देखने को मिला। कार्यक्रम का सफल संचालन तनु गर्ग, अंशुल गर्ग, मोनिका शर्मा, भावना गुप्ता, बृजवाला यादव, कृष्णकांत, पवन कुमार, अतुल कुमार, एवं विशाल शर्मा, द्वारा किया गया।

विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए ऐसे रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक आयोजनों को आगे भी निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया ।

ईद-उल-अजहा के मुबारक मौके पर स्योहारा नगर में धार्मिक आस्था, भाईचारे और अकीदत का देखने को मिला शानदार नजारा

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- शहर की ऐतिहासिक ईदगाह में तय समय पर हजारों नमाजियों ने एक साथ ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की। नमाज शहर इमाम मौलाना कामिल कासमी की अगुवाई में मुकम्मल हुई, जहां मुल्क और कौम की सलामती, अमन-चैन, तरक्की और भाईचारे के लिए खास दुआएं मांगी गईं। नमाज के बाद मौलाना कामिल कासमी ने अपने बयान में कहा कि ईद-उल-अजहा कुबार्नी, त्याग और इंसानियत का पैगाम देने वाला त्योहार है। उन्होंने लोगों से कुबार्नी के दौरान पर्दे, सफाई और प्रशासनिक निदेशों का पूरी तरह पालन करने की अपील करते हुए कहा कि इस्लाम साफ-सफाई और दूसरों की भावनाओं के सम्मान का भी सबक देता है। नगर की तमाम मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई, लेकिन ईदगाह मैदान में नमाजियों की भारी भीड़ देखने को मिली। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में ईद की खुशी साफ नजर आई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। वहीं त्योहार को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। थाना प्रभारी की अगुवाई में ईदगाह और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पुलिस बल लगातार गश्त करता रहा ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो सके। ईद के इस पाक मौके पर पूरे नगर में उत्साह, उल्लास और धार्मिक सौहार्द का माहौल देखने को मिला।

बिजनौर में 31 मई तक तेज आंधी, बारिश और वज्रपात की चेतावनी

जिलाधिकारी ने जारी की एडवाइजरी, लोगों से सतर्क रहने की अपील

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मौसम विभाग, उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्र के हवाले से जानकारी देते हुए बताया कि जनपद बिजनौर में 31 मई तक तेज आंधी-तूफान, बारिश, वज्रपात (आकाशीय बिजली) एवं ओलावृष्टि की प्रबल संभावना व्यक्त की गई है। इस संबंध में जिलाधिकारी द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि खराब मौसम एवं वज्रपात के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्होंने किसान बंधुओं से विशेष सतर्कता बरतने का आवाहन करते हुए कहा कि खेतों में कार्य करते समय मेघगर्जन होने पर तुरंत सुरक्षित स्थान पर शरण लें। आंधी-तूफान एवं वज्रपात के दौरान पेड़ों, खुले मैदानों, जलाशयों, बिजली के खंभों तथा मोबाइल टावरों के आसपास खड़ा होना अत्यंत जोखिमपूर्ण हो सकता है। ऐसे समय में पक्के भवन या सुरक्षित स्थान पर ही रहें। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन नागरिकों के पास स्मार्ट मोबाइल फोन उपलब्ध हैं, वे दामिनी ऐप डाउनलोड कर समय-समय पर प्राप्त होने वाली मौसम संबंधी सूचनाओं का पालन करें तथा अन्य लोगों को भी जागरूक करें। उन्होंने बताया कि मौसम खराब होने की स्थिति में बिजली से चलने वाले उपकरणों का उपयोग बंद कर दें तथा तालाब, नदी और नहर जैसे जल निकायों से दूर रहें। किसी भी आपात स्थिति, जनहानि अथवा क्षति की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं। आपदा संबंधी सहायता के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर 1077 एवं 01342-262031 पर संपर्क किया जा सकता है। आग लगने की स्थिति में 112 अथवा 101 तथा चिकित्सीय सहायता हेतु 108 नंबर पर संपर्क करें।

मनोरंजन प्रदर्शनी मेले का भव्य शुभारम्भ उमड़ी भीड़

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- पहासू कस्बे में स्थानीय लोगों के मनोरंजन और खरीदारी के लिए एक शानदार मनोरंजन प्रदर्शनी मेले का भव्य शुभारम्भ किया गया मेले का उद्घाटन शिकारपुर विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री अनिल शर्मा, के निदेर्शानुसार फीता काट कर किया गया इस अवसर पर पंकज ठाकुर, ने मेले का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह मनोरंजन प्रदर्शनी मेला क्षेत्र के लोगों के लिए कुछ बेहद खास और नया लेकर आया है उन्होंने स्थानीय निवासियों से अपील करते हुए कहा यह मेला पूरी तरह पारिवारिक है इसलिए सभी क्षेत्रवासी अपने परिवार और बच्चों के साथ यहाँ आएँ और मेले का आनंद लें मेले में मुख्य आकर्षण इस बार मेले में बच्चों के लिए आधुनिक झूले, तरह-तरह के स्टॉल, खान-पान के व्यंजन और घरेलू सामानों की विस्तृत प्रदर्शनी लगाई गई है जो पहले ही दिन से लोगों के आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है मेले के शुभारम्भ के अवसर पर क्षेत्र के कई प्रमुख लोग और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे जिनमें कुलदीप ठाकुर मण्डल अध्यक्ष पहासू, जवर सिंह, ध्रुव शर्मा, गोपाल, पंकज, योगेन्द्र चौधरी, सतवीर सिंह, प्रियांशु शर्मा, उद्घाटन के दौरान पहासू और आसपास के ग्रामीण इलाकों से भारी संख्या में लोग मौजूद रहे मेले को लेकर स्थानीय दुकानदारों और बच्चों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है ।

सड़क पर नमाज को लेकर पूर्व विधायक और सीओ आमने-सामने

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद के जहांगीराबाद कोतवाली क्षेत्र में ईदगाह के बाहर सड़क पर नमाज अदा करने को लेकर उस समय माहौल गरमा गया, जब समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक होशियार सिंह अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गए। इस दौरान उनकी पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ लोग सड़क पर नमाज अदा करना चाहते थे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का हवाला देते हुए इसकी अनुमति नहीं दी। इसी बीच पूर्व विधायक होशियार सिंह अपने कार्यकताओं के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से सड़क पर नमाज अदा कराने की मांग करने लगे।

अनूपशहर क्षेत्राधिकारी विकास प्रताप चौहान का आरोप है कि पूर्व विधायक लोगों को उकसाकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी नमाजियों से सम्मानपूर्वक बातचीत की गई और उन्हें स्पष्ट किया गया कि सड़क पर नमाज अदा नहीं की जाएगी।

सीओ विकास प्रताप चौहान पूर्व विधायक से हाथ जोड़कर शांति बनाए रखने और लोगों को न उकसाने की अपील कर रहे थे। वहीं मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को संभालते हुए माहौल शांत कराया।

एक जून को तहसील शिकारपुर में किसानों की समस्याओं पर पंचायत

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू ने बताया कि 1 जून 2026 को सुबह 11 बजे तहसील शिकारपुर में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसानों की समस्याओं को लेकर पंचायत आयोजित होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। पंचायत में ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे, खाद-यूरिया की किल्लत, अघोषित बिजली कटौती, आवारा पशुओं की समस्या, शिकारपुर-जहांगीराबाद मार्ग निर्माण तथा दाखिल-खारिज में देरी समेत कई मुद्दे उठाए जाएंगे। किसानों से अपनी समस्याएं लिखित रूप में दस्तावेजों सहित समय पर पहुंचने की अपील की गई है।

जरूरतमंदों एवं वरिष्ठजनों को सहायक उपकरण वितरित

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम खुशहालपुर में आयोजित जनसेवा कार्यक्रम में सिकंदराबाद विधायक ठाकुर लक्ष्मी राज सिंह ने जरूरतमंद एवं वरिष्ठजनों को निशुल्क ट्राईसाइकिल, कान की मशीन एवं हाथ गरम पट्टियों का वितरण किया। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम निवासी सुरेंद्र सिंह धनखड़ के आवास पर किया गया। विधायक ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना जनप्रतिनिधि का प्रमुख दायित्व है। उन्होंने बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की सेवा को मानवता की सच्ची पहचान बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गजरौला हाईवे 9 पर कारोबारियों की मनमानी,प्रशासन की कार्यवाही एवं चेतावनी के बाद भी हाईवे पर फिर बने अवैध कट हादसो को देते दावत

हाईवे पर बने अवैध कटों के लिए आखिर जिम्मेदार कौन ?

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला क्षेत्र में हाईवे किनारे स्थित बड़े कारोबारियों की मनमानी बढ़ती जा रही है जो शासन प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों को ताख पर रखकर अपने फायदे के लिए दूसरों की जिंदगियों से खिलवाड़ कर रहे हैं। साफ तौर पर आपको बता दें कि अभी बीते दिनों 8 मई 2026 को यातायात पुलिस द्वारा एक अभियान के तहत सड़क पर दौड़ रहे ओवर स्पीड वाहनों के सघन चेकिंग अभियान के दौरान नेशनल हाईवे 9 पर बने 10 अवैध कटों को प्रशासन द्वारा कड़ी कार्यवाही करते हुए जेसीबी से बंद कराया गया था इस कार्यवाही को यातायात पुलिस द्वारा अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार कराया गया था साथ ही अवैध कट बनाने वालों को प्रशासन की तरफ से चेतावनी दी गई थी कि यदि हाईवे पर कोई भी अवैध कट बनाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी बावजूद इसके अभी प्रशासन द्वारा इस कार्यवाही को किए हुए मात्र 20 दिन बीते हैं और हाईवे किनारे स्थित स्थानीय कारोबारियों ने फिर से अपने फायदे के लिए अवैध कटों का निर्माण कर दिया है। जिसके तहत हाईवे पर कम से कम 5 से 6 अवैध कट हाईवे किनारे स्थित होटलों एवं पेट्रोल पंप के सामने बना दिए गए हैं ऐसा करने से हाईवे किनारे स्थित स्थानीय कारोबारी दूसरों की जिंदगियों से खेल रहे हैं और प्रशासन आंखें मूंदकर यह नजारा देख रहा है। ऐसा लगता है कि हाईवे किनारे स्थित बड़े कारोबारी एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारी भी इन अवैध कटों का निर्माण करने में कहीं ना कहीं संलिप्त है। इसके बारे में जब हाईवे किनारे स्थित एक होटल के मैनेजर से बात की गई तो उन्होंने कहा कि जब सब लोग अपने सामने अवैध कट बनाने के लिए मिट्टी डाल रहे हैं तो हमने भी अपने सामने कट बनाने के लिए मिट्टी डलवाई है।उधर इस बारे में जब गजरौला यातायात पुलिस अधिकारी TSI से बात हुई तो उन्होंने कहा कि हमारे पास अवैध कटों को बनाने की कोई सूचना नहीं है अगर ऐसा है तो मामले की जांच की जाएगी। अब यहां सवाल यह उठता है कि क्या वास्तविक रूप से यातायात पुलिस को इन अवैध कटों के निर्माण की भनक तक नहीं है या फिर वह इन सब को नजर अंदाज करते हुए अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। हाईवे 9 पर बार बार बनने वाले इन अवैध कटों के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है ?

दिल्ली की एक कोर्ट ने असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को जारी किया नोटिस, 'मिया मुसलमान' बोलने पर दी याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर की याचिका पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को नोटिस जारी किया है। याचिका में सरमा के ह्यमिया मुसलमानोंह्ल पर दिए गए विवादित बयानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने जारी किया नोटिस अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सोनू अग्निहोत्री ने हर्ष मंदर की रिवीजन याचिका पर सुनवाई करते हुए यह नोटिस जारी किया। मंदर ने 20 अप्रैल के मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के खिलाफ यह याचिका दायर की थी, जिसमें सरमा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया गया था

कोर्ट का आदेश 26 मई को दिए गए आदेश में कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील की दलीलों पर गौर किया, जिसमें गृह मंत्रालय द्वारा जारी जीरो एफआईआर के SOP का भी जिक्र था। कोर्ट ने सरमा और अन्य जवाबदेह पक्षकारों को 15 जुलाई 2026 तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अप्रैल में हर्ष मंदर ने असम के तिनसुकिया जिले के डिगबोई में 27 जनवरी को दिए गए सरमा के बयान पर एफआईआर दर्ज कराने के लिए अदालत का रुख किया था।याचिका के अनुसार, सरमा ने कहा था कि विशेष तीव्र समीक्षा के दौरान चार से पांच लाख मिया वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि जब तक उन्हें परेशानी नहीं होगी, वे असम नहीं छोड़ेंगे और हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वे असम में वोट न डाल सकें। मिया शब्द असम में बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए अपमानजनक माना जाता है, जिसे अक्सर बांग्लादेशी घुसपैठियों से जोड़कर देखा जाता है। 15 जुलाई को होगी सुनवाई मंदर के वकील ने तर्क दिया कि निचली अदालत ने क्षेत्रीय अधिकारिता के आधार पर याचिका खारिज कर दी, जबकि संज्ञेय अपराध की सूचना किसी भी पुलिस स्टेशन में दी जा सकती है।अब इस मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को होगी।

दिल्ली भाजपा कार्यालय पर हर्ष मल्होत्रा का भव्य स्वागत, सीएम रेखा गुप्ता और वीरेंद्र सचदेवा ने दी बधाई

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित अन्य मंत्रियों, भाजपा सांसदों, विधायकों और कार्यकताओं ने नवनियुक्त अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा का स्वागत किया। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि कार्यकताओं के परिश्रम से दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है। अब पार्टी को नई ऊंचाई पर ले जाने का दायित्व हर्ष मल्होत्रा पर है। उन्हें लंबा प्रशासनिक और संगठनात्मक अनुभव है। उनके अनुभव का लाभ संगठन को

मिलेगा। रेखा गुप्ता ने कहा कि भाजपा में परंपरा है कि एक व्यक्ति नया पद ग्रहण करता है और उस पद पर रहने वाला व्यक्ति आगे बढ़ जाता है। सचदेवा के कार्यकाल में भाजपा दिल्ली की सत्ता में आई है। अब हर्ष मल्होत्रा इस दायित्व को ग्रहण कर रहे हैं। कार्यकताओं के वह नए नहीं है। पहले से लोग उनके साथ काम के चुके हैं। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि जिन प्रदेश अध्यक्षों से मैंने काम करना सीखा वह और मुख्यमंत्री मुझे आशीर्वाद देने आएं हैं। सचदेवा के साथ लंबे समय तक काम करने का अवसर मिला है। कार्यकताओं की मेहनत और सचदेवा के कुशल नेतृत्व से दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है। भाजपा में दायित्व 400 गुना 4 रिले रेस की तरह है। एक कार्यकर्ता दूसरे से दायित्व ग्रहण करता है। वरिष्ठ नेताओं के मार्ग दर्शन और कार्यकताओं के सहयोग से संगठन को और मजबूत करने के लिए काम करेंगे।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर चला पुलिस का चाबुक, एक दिन में कटे 225 चालान

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में गुरुवार को यातायात पुलिस ने जनपद के विभिन्न स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने पटाखों जैसी तेज आवाज करने वाले मोडिफाइड साइलेंसर, मानक के विरुद्ध दोषपूर्ण नंबर प्लेट, तीन सवारी, बिना हेल्मेट और वाहनों पर जातिसूचक शब्द लिखकर चलने वालों पर शिकंजा कसा। अभियान के दौरान मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल 225 चालान किए गए। पुलिस ने शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों से अतिक्रमण भी हटवाया, जिससे जाम की समस्या से राहत मिली। ईद-उल-अजहा को देखते हुए यातायात को सुचारू रूप से संचालित कराया गया। पुलिस की मुस्तैदी से ईद की नमाज भी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। इस दौरान यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि सड़क सुरक्षा के लिए हेल्मेट पहनें, तीन सवारी न चलें और वाहनों में किसी तरह का अवैध मोडिफिकेशन न कराएं।

दिल्ली विधानसभा में 89 ऐतिहासिक खंडों का विमोचन, रिजिजू बोले- संसद-विधानसभाओं को राजनीतिक अखाड़ा न बनाएं

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को दिल्ली विधानसभा में केंद्रीय विधायी विधानसभा की 1924-1930 की कार्यवाही पर आधारित 89 खंडों (वॉल्यूम) का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह दुर्लभ ऐतिहासिक दस्तावेज युवा पीढ़ी के लिए एक मार्गदर्शक का काम करेगा। इस कार्यक्रम में उनके साथ केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और दिल्ली के संसदीय कार्य मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान बिरला ने विधानसभा की पत्रिका 'विधान चेतना' के उद्घाटन अंक का भी अनावरण किया। लोकतंत्र और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक दस्तावेज अपने संबोधन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इन 89 खंडों का संकलन और प्रकाशन लोगों तथा युवा पीढ़ी को ब्रिटिश शासन के दौरान की विधायी कार्यप्रणाली से अवगत कराएगा। उन्होंने कहा, "यह दुर्लभ और ऐतिहासिक दस्तावेज लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के साथ-साथ देश के जनप्रतिनिधियों को भी प्रेरित करेगा।" बिरला ने दिल्ली विधानसभा भवन के ऐतिहासिक महत्व पर भी प्रकाश डाला, जहां से ब्रिटिश शासन के दौरान केंद्रीय विधायी विधानसभा काम करती थी। तथ्यों पर आधारित बहस से मजबूत होता है लोकतंत्र ओम बिरला ने जोर देकर कहा कि तथ्यों पर आधारित बहस न केवल संवैधानिक संस्थाओं को मजबूत करती है, बल्कि उनकी गरिमा को भी बढ़ाती है।

उन्होंने कहा कि सहमति और असहमति सहित ऐसी ही बहसों ने भारत के लोकतंत्र को वैश्विक मंचों पर एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। रिजिजू की चिंता, कहा- 'संस्थाओं पर हमला ठीक नहीं' केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ऐतिहासिक दस्तावेजों को संरक्षित करने के प्रयासों के लिए दिल्ली विधानसभा और उसके अध्यक्ष की सराहना की।

आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे और कागजी दावे, जमीनी स्तर पर क्यों फेल हो रहा है सिस्टम?

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने साफ किया है कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है। अदालत ने स्थानीय निकायों को आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए कड़े कदम उठाने और प्रभावी नीति बनाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट का मानना है कि पशु अधिकारों की आड़ में इंसानी जिंदगी को दांव पर नहीं लगाया जा सकता। इसके बावजूद, दिल्ली सहित एनसीआर के नगर निगम, विकास प्राधिकरण और स्थानीय प्रशासन सिर्फ कागजी खानापूरी ही कर रहे हैं। इसकी मूल वजह भी है, राज्य सरकारें इस विकट समस्या पर अभी तक भी बहुत गंभीर नहीं हुई हैं। जब भी कोई बड़ी घटना होती है, तो कुछ दिनों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए जाते हैं, लेकिन कुछ ही समय बाद स्थिति जस की तस हो जाती है। जमीनी स्तर पर क्यों फेल हो रहा है सिस्टम? सुप्रीम कोर्ट ने तो अपने पिछले दस माह पहले आदेश को ही कुछ तथ्यों पर बल देते हुए दोहराया है। लेकिन पिछले आदेश को भी लंबा समय बीत जाने के बाद भी न तो शेल्टर होम बने और न ही खतरनाक कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों से हटाया गया।

जय भीम योजना घोटाला: तक्षशिला अकादमी के निदेशक नरेंद्र गुप्ता को मिली जमानत

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना में अनियमितताओं के मामले में तक्षशिला अकादमी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक नरेंद्र कुमार गुप्ता को नियमित जमानत दे दी। विशेष न्यायाधीश डा. रुचि अग्रवाल असरानी ने अपने आदेश में कहा कि आरोपित को अनिश्चितकाल तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता और बेल नियम है, जेल अपवाद। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपित 30 अप्रैल 2026 से न्यायिक हिरासत में है और जांच एजेंसी यह नहीं बता सकी कि आगे की हिरासत क्यों आवश्यक है। कोर्ट ने कहा कि केवल इस आधार पर कि कुछ छात्रों और कर्मचारियों से पूछताछ बाकी है, किसी व्यक्ति को अनिश्चित समय तक जेल में नहीं रखा जा सकता। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता एक महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार है और दोष सिद्ध होने से पहले किसी को दंडात्मक तरीके से हिरासत में नहीं रखा जा सकता। एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर राहत कोर्ट ने नरेंद्र कुमार गुप्ता को एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के एक जमानती पर जमानत देने का आदेश दिया। साथ ही शर्त रखी गई कि वह बिना अनुमति देश नहीं

छोड़ेंगे, हर माह 15 और 30 तारीख को एसीबी के जांच अधिकारी के समक्ष पेश होंगे, गवाहों से संपर्क नहीं करेंगे और सुनवाई की हर तारीख पर अदालत में उपस्थित रहेंगे। एजेंसी के मुताबिक कुछ छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि उनके हस्ताक्षर फर्जी तरीके से किए गए, जबकि संस्थान के कर्मचारियों ने बयान दिया कि निदेशक के निर्देश पर बैक डेट में उपस्थिति दर्ज की गई। एसीबी ने अदालत में कहा कि जांच अभी जारी है और आरोपित बाहर आने पर गवाहों व छात्रों को प्रभावित कर सकता है। बचाव पक्ष ने कोर्ट में क्या कहा? बचाव पक्ष ने अदालत में दलील दी कि नरेंद्र कुमार गुप्ता 29 अप्रैल 2026 से न्यायिक हिरासत में हैं, उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और उन्होंने जांच में पूरा सहयोग किया है। यह भी कहा गया कि मामला मुख्य रूप से दस्तावेज साक्ष्यों से जुड़ा है और सभी रिकार्ड पहले ही जांच एजेंसी के कब्जे में हैं। एंटी करप्शन ब्रांच ने अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की शिकायतों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की थी। आरोप है कि जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना के तहत कुछ सरकारी अधिकारियों और कोचिंग संस्थानों की मिलीभगत से सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार नरेंद्र कुमार गुप्ता की संस्था को योजना के दूसरे चरण में करीब 3.07 करोड़ रुपये मिले थे। आरोप है कि संस्थान ने योजना के नियमों के अनुसार अलग बैंक खाता नहीं खोला। एसीबी ने दावा किया कि संस्थान की सूची में शामिल 46 छात्र अन्य कोचिंग संस्थानों में भी नामांकित पाए गए। जांच के दौरान कई छात्रों ने बयान दिया कि उन्होंने कक्षाएं नहीं लीं या केवल कुछ ही कक्षा में उपस्थित हुए, जबकि उनके नाम पर सरकार से फंड लिया गया।

खबर एक्सप्रेस

जालंधर में धूमधाम से मनाया गया ईद-उल-अजहा का पर्व, ईदगाह में हजारों ने अदा की नमाज

जालंधर। वीरवार को तड़के से ही मुस्लिम भाईचारे के लोग सामूहिक रूप से गुलाब देवी रोड की तरफ बढ़ रहे थे, इस दौरान बच्चों से लेकर बुजुर्ग तथा महिलाओं में भी खासा उत्साह रहा। देखते ही देखते इस रोड पर स्थित ईदगाह में हजारों की संख्या में मुस्लिम भाईचारे के लोग जुट गए। जैसे ही ईद उल अजहा की नमाज शुरू हुई तो सभी कतारबद्ध होकर इसमें शामिल हुए। इस दौरान मस्जिद के इमाम कारी अब्दुल सुभान ने नमाज अदा करवाने के उपरांत कुर्बानी के महत्व को लेकर विस्तार के साथ बताया। इसके साथ ही देश में आपसी भाईचारा उन्नति तथा सफलता को लेकर दुआ मांगी गई। इस दौरान पंजाब मुस्लिम फ्रंट के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट नईम खान ने कहा कि ईद उल अजहा का त्योहार त्याग तथा बलिदान को प्रेरित करता है। जब इंसान में त्याग तथा बलिदान की भावना पैदा होती है, तो उसमें उस नकारात्मक शक्तियां खुद-ब-खुद दूर हो जाती है। ऐसे में समाज के प्रति त्याग तथा बलिदान की भावना का होना सबसे अहम है

फतेहगढ़ साहिब में भीषण गर्मी और घुटन के कारण बंद कमरे में बुजुर्ग की संदिग्ध मौत, 4 दिन बाद मिला शव

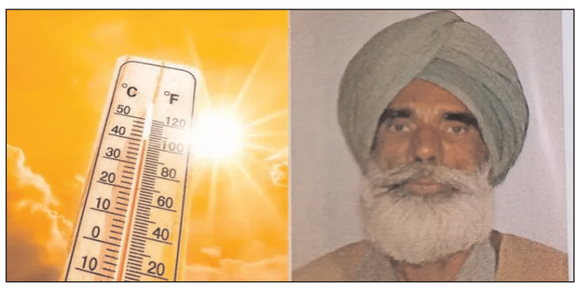

फतेहगढ़ साहिब। पंजाब में पड़ रही अत्यधिक भीषण गर्मी के बीच जिला फतेहगढ़ साहिब के अंतर्गत आते गांव बागड़ियां से एक बेहद दुखद समाचार सामने आया है। यहाँ बंद कमरे में अत्यधिक गर्मी और सफोकेशन (घुटन) होने के कारण एक 68 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान अमरीक सिंह के रूप में हुई है, जो घर में बिल्कुल अकेले रहते थे। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए थाना मुलेपुर के सहायक थानेदार जगरूप सिंह ने बताया कि बुजुर्ग अमरीक सिंह अपने घर के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद करके सोए हुए थे।4 दिन तक दरवाजा नहीं खोला, तो पड़ोसियों और गांव वालों को किसी अनहोनी का शक हुआ। इसके बाद ग्रामीणों ने इकट्ठा होकर कमरे का कुंडा (दरवाजा) तोड़ा। अंदर जाने पर ग्रामीणों के होश उड़ गए; बुजुर्ग अमरीक सिंह का शव पड़ा हुआ था और उनका पूरा शरीर गर्मी के कारण पसीने से बुरी तरह तर-बतर था। सूचना मिलते ही थाना मुलेपुर की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया।जगरूप सिंह ने बताया कि शुरूआती जांच और परिस्थितियों को देखने से यही प्रतीत होता है कि कमरे में वेंटिलेशन न होने और अत्यधिक गर्मी व घुटन के कारण बुजुर्ग की जान गई है। हालांकि, मौत के असली और सटीक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अगली कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

फतेहगढ़ साहिब के पास हाईवे पर बड़ा हादसा, वोल्वो बस और ट्राले की भिड़ंत में ड्राइवर की मौत और 15 यात्री घायल

फतेहगढ़ साहिब। सरहिंद नेशनल हाईवे पर गांव पतारसी कलां के नजदीक एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां दिल्ली से कटड़ा (जम्मू) जा रही एक तेज रफ्तार वोल्वो बस आगे चल रहे 18 टायरों वाले एक बड़े ट्राले से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस में सवार 15 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक चालक की पहचान फिरोजपुर निवासी इंद्रजीत सिंह के रूप में हुई है।हादसे की सूचना मिलते ही थाना मुलेपुर के सहायक थानेदार जगरूप सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस के मुताबिक, बस में सवार कुछ यात्री माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जा रहे थे। सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब में भर्ती कराया गया।घायलों की पहचान दिल्ली निवासी अभिजीत कशब (27), अशोका कशब (37), विभूति (35), प्रियंका (24), गोपीनाथ (25), बलजीत (28), जवेश्वर (60), रश्मी (27), बबीता (50), सूभा कुमारी (16), शुभम (28), श्रुति झा (38), केशव (13) और सुहेल (28) के रूप में हुई है। अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, घायलों में से 6 मरीजों–अभिजीत, अशोका, विभूति, प्रियंका, गोपीनाथ और बलजीत की हालत बेहद नाजुक थी, जिसके चलते उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद चंडीगढ़ के सरकारी अस्पताल (सेक्टर-32) रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने मृतक चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

फिरोजपुर में NH-54 पर अज्ञात कार की टक्कर से बेटी की मौत, मां और पड़ोसन घायल

फिरोजपुर। थाना सदर जीरा के अतंगर्त पड़ते एनएच-54 हाईवे पर एक अज्ञात कार चालक ने स्कूटी सवार मां-बेटी व महिला को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया । इस सड़क हादसे में जख्मी हुई स्कूटी सवारों में से बेटी की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस मामलें में पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना सदर जीरा के एएसआई बलराज सिंह ने बताया कि पुलिस को दिए बयान में शिकायतकर्ता हरप्रीत कौर पत्नी सुखविन्द्र सिंह निवासी वार्ड नंबर 4 तलवंडी भाई ने बताया कि वह जब अपनी बेटी कोमलप्रीत कौर व पड़ोसी मनजीत कौर के साथ तलवंडी में अपने घरेलु काम से गांव फैरोके एक्टीवा पर जा रही थी।इस दौरान एनएच-54 हाईवे पर किसी अज्ञात कार चालक ने उनकी स्कूटी को सामने से सीधी टक्कर मार दी । इस सड़क हादसे में वह तीनों घायल हो गई व आरोपित वहां से कार लेकर फरार हो गया। पीड़िता ने बताया कि घटना में उसकी बेटी कोमलप्रीत कौर को काफी चोटें लगी थी, जबकि वह और उसकी पड़ोसन मनजीत कौर भी जख्मी हो गए थे।उसने बताया कि इस घटना के पश्चात उसकी बेटी कोमलप्रीत कौर की अस्पताल में उपाचर के दौरान मौत हो गई । मामलें की जांच कर रहे बलराज सिंह ने बताया कि पुलिस ने उक्त मामलें में अज्ञात कार चालक पर मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

328 पावन स्वरूपों के मामले में SGPC ने एसआईटी को चौथी बार रिकॉर्ड सौंपा, जांच एजेंसी पर लगे गलत बयानबाजी के आरोप

चंडीगढ़। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की 328 पावन स्वरूपों से जुड़े मामले में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने पंजाब सरकार की ओर से गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) को चौथी बार रिकॉर्ड सौंप दिया है।

एसजीपीसी प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने बुधवार को चंडीगढ़ स्थित उप कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कमेटी लगातार पूरी पारदर्शिता के साथ जांच में सहयोग कर रही है, जबकि एसआईटी की ओर से अदालत में सहयोग न करने संबंधी हलफनामा दाखिल करना पूरी तरह गलत और भ्रामक है।

धामी ने कहा कि यह मामला श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पावन बीड़ों से जुड़ा होने के कारण अत्यंत संवेदनशील है और इसकी जांच श्री अकाल तख्त साहिब की निगरानी में की जा रही है। उन्होंने कहा कि एसजीपीसी भी श्री अकाल तख्त साहिब के निदेर्शों के अनुसार जांच टीम को हर संभव सहयोग दे रही है।

29 जनवरी को रिकॉर्ड सौंपा गया

उन्होंने बताया कि 7 दिसंबर 2025 को एफआईआर दर्ज होने के बाद एसआईटी की ओर से पहला पत्र 13 जनवरी 2026 को भेजा गया था, जिसके जवाब में 29 जनवरी को रिकॉर्ड सौंप दिया गया।इसके बाद 17 फरवरी को दूसरा पत्र मिला, जिसमें मांगी गई आठ बिंदुओं की जानकारी 11 मार्च को उपलब्ध करवाई गई। तीसरे पत्र के तहत 3 अप्रैल को 18 बिंदुओं संबंधी रिकॉर्ड मांगा गया, जिसे 27 अप्रैल को एसआईटी को सौंप दिया गया।

धामी ने कहा कि बुधवार को भी बिल बुक और लेजर से संबंधित रिकॉर्ड की प्रतियां जांच टीम को दे दी गई हैं। उन्होंने कहा कि एसजीपीसी के पास रिकॉर्ड सौंपने की वीडियो रिकॉर्डिंग भी मौजूद है। यदि जांच टीम अदालत में लगातार गलत बयान देती रही तो इन वीडियो और दस्तावेजों को सार्वजनिक किया जाएगा।

मूल रिकॉर्ड भी किया जाएगा पेश

एसजीपीसी प्रधान ने स्पष्ट किया कि कमेटी ने जांच से संबंधित सभी प्रमाणित दस्तावेज उपलब्ध करवा दिए हैं और यदि अदालत आदेश देगी तो मूल रिकॉर्ड भी पेश किया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जांच के दायरे से बाहर की गैर जरूरी जानकारियां मांगे जाने पर एसजीपीसी सहयोग नहीं करेगी।

धामी ने बताया कि इस संबंध में श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को पत्र लिखा गया है। उनके निदेर्शों के बाद अंतरिम कमेटी की बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एसआईटी गैर जरूरी सूचनाएं मांगने और अदालत में गलत बयान देने का सिलसिला बंद नहीं करती तो एसजीपीसी सहयोग रोकने पर मजबूर हो सकती है।

चंडीगढ़ निगम चुनाव से पहले कांग्रेस की बड़ी तैयारी, एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कसी कमर, एक-एक वोट बचाने पर जोर

चंडीगढ़। दिसंबर में प्रस्तावित नगर निगम चुनावों और चंडीगढ़ में जल्द शुरू होने वाली एसआईआर प्रक्रिया को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपनी चुनावी तैयारियों को तेज कर दी है। एक-एक वोट बचाने पर जोर है। इसी कड़ी में वीरवार को सेक्टर-35 स्थित राजीव गांधी कांग्रेस भवन में बीएलए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। इसमें शहरभर से 200 बीएलए और कांग्रेस कार्यकताओं ने भाग लिया, जिन्हें विशेष ट्रेनिंग टीम ने विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया। यह प्रशिक्षण शिविर एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि, आने वाले चुनावी संघर्ष की ठोस रणनीतिक शुरूआत माना जा रहा है। कांग्रेस ने साफ संकेत दे दिए हैं कि इस बार नगर निगम चुनावों में पार्टी बूथ स्तर तक पूरी ताकत और संगठित तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एचएस लक्की ने कहा कि भाजपा शासन के दौरान लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करने और वोटरों को परेशान करने के लगातार प्रयास हुए हैं, इसलिए कांग्रेस अब हर बूथ पर सतर्क और मजबूत निगरानी सुनिश्चित करेगी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता जनता के वोट के अधिकार की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से खड़ा रहेगा। किसी भी कीमत पर सही वोट को कटने नहीं दिया जाएगा और न ही किसी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित होने दिया जाएगा।बीएलए घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि हर सही वोट सुरक्षित रहे। भाजपा लोकतंत्र को कमजोर करने की राजनीति करती है, जबकि कांग्रेस लोकतंत्र और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ रही है। सांसद मनीष तिवारी ने प्रशिक्षण शिविर में मौजूद कार्यकताओं की अनुशासित और गंभीर भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि कांग्रेस का असली संगठन बूथ स्तर पर खड़ा कार्यकर्ता है और आने वाले दिनों में पार्टी कार्यकताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होने वाली है। मनीष तिवारी ने कहा कि हर बी एल ए केवल वोटों की निगरानी करने वाला कार्यकर्ता नहीं बल्कि कांग्रेस की जीत का मजबूत सैनिक है।

आने वाले नगर निगम चुनावों में बूथ स्तर पर मेहनत, सतर्कता और जनसंपर्क ही कांग्रेस की विजय का आधार बनेगा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव चेतन चौहान ने भी कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि चंडीगढ़ कांग्रेस का संगठन मजबूत, सक्रिय और ऊजार्वान है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से चंडीगढ़ कांग्रेस को हर स्तर पर पूरा सहयोग दिया जाएगा और आने वाले दिनों में संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक धार दी जाएगी।

चंडीगढ़ नगर निगम को बड़ा झटका, सफाई टेंडर विवाद पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक; मौजूदा कंपनी को काम सौंपने का निर्देश रद

चंडीगढ़। दक्षिणी सेक्टरों में सफाई कार्य को लेकर चल रहे विवाद में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने नगर निगम चंडीगढ़ को बड़ा झटका देते हुए 23 मई 2026 के उस पत्र पर रोक लगा दी है, जिसके जरिए मौजूदा कंपनी को सफाई कार्य नगर निगम को सौंपने के निर्देश दिए गए थे। मामले की अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी। वीरवार को हाई कोर्ट का डिटेल आर्डर आ चुका है। यह वही कंपनी है जो वर्ष 2016 से दक्षिणी सेक्टरों में मैकेनिकल और मैनुअल सफाई का काम कर रही है। नगर निगम द्वारा 31 दिसंबर 2025 को जारी नए टेंडर में भी कंपनी सबसे कम बोलीदाता घोषित हुई थी। इसके बाद 8 अप्रैल 2026 को जनरल हाउस ने सर्वसम्मति से टेंडर कंपनी को देने का प्रस्ताव पारित किया था। बावजूद इसके निगम कमिश्नर ने टेंडर लागू नहीं किया, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। कमिश्नर के फैसले के खिलाफ भाजपा और कांग्रेस के पार्षद एकजुट हो गए थे। कई पार्षदों ने निगम बैठकों के बहिष्कार तक की चेतावनी दी थी। शहर में यह मुद्दा लगातार राजनीतिक और प्रशासनिक टकराव का कारण बना हुआ है। हालांकि अब चंडीगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि यह पार्षदों का व्यक्तिगत और सदन से जुड़ा निर्णय है, न कि कांग्रेस पार्टी का आधिकारिक फैसला।

लुधियाना में शराब के लिए पैसे नहीं देने पर व्यक्ति की बेरहमी से हत्या, खाली प्लॉट में मिला शव; दो आरोपी गिरफ्तार

लुधियाना। शहर में शराब के पैसों के लिए एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या करने का मामला सामने आया है। शेरपुर चौक के नजदीक स्थित एक खाली प्लॉट में बुधवार सुबह एक व्यक्ति का खून से लथपथ शव मिला। मृतक के चेहरे और सिर पर भारी पत्थरों से कई वार किए गए थे, जिससे उसका चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। थाना डिवीजन नंबर छह की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी पहचान संदीप श्रीवास्तव और इशाक अली के रूप में हुई है। दोनों शेरपुर चौक क्षेत्र में रहने वाले फैक्ट्री वर्कर बताए जा रहे हैं। मृतक की पहचान साहिबजादा अजीत सिंह नगर, मोहाली निवासी 45 वर्षीय बृजमंगल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह सूचना मिली थी कि एनपीसी ट्रांसपोर्ट के पास खाली प्लॉट में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आसपास के इलाके की जांच शुरू की।सीसीटीवी फुटेज से खुला हत्या का राज प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दो व्यक्ति एक अन्य व्यक्ति को सहारा देकर और घसीटते हुए ले जाते दिखाई दिए। इसके बाद पुलिस को हत्या की आशंका हुई और संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि दोनों संदिग्ध शेरपुर चौक के आसपास रहते हैं। पुलिस ने टीम गठित कर दबिश दी और दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। शराब खत्म हुई तो बनाई लूट की योजना

पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे शराब पीने के आदी हैं और वारदात वाली रात भी ठेके के बाहर शराब पी रहे थे। शराब खत्म होने के बाद उनके पास और शराब खरीदने के लिए पैसे नहीं बचे थे। इसी दौरान उनकी नजर नशे की हालत में बैठे बृजमंगल पर पड़ी। वह उसे बहला-फुसलाकर पास के खाली प्लॉट में ले गए और उसकी जेब से पैसे निकालने की कोशिश की। जब बृजमंगल ने विरोध किया तो दोनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उन्होंने पत्थरों से उसके चेहरे और सिर पर कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल बृजमंगल को वहीं तड़पता छोड़कर फरार हो गए। अधिक खून बहने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस रिमांड पर आरोपित, जांच जारी पुलिस ने दोनों आरोपितों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपितों से पूछताछ जारी है और वारदात में इस्तेमाल किए गए सामान व अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने मृतक के स्वजन को सूचना दे दी है। अधिकारियों का कहना है कि परिवार के बयान दर्ज होने के बाद यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि बृजमंगल मोहाली से लुधियाना किस काम से आया था।

निलंबित डीआईजी भुल्लर के 26 बैंक खाते जांच पूरी होने तक नहीं होंगे डी फ्रीज; पंजाब के आईएएस — आईपीएस से पूछताछ जल्द, अहम सबूत मिले

चंडीगढ़। रिश्वत मामले में निलंबित पंजाब पुलिस के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और परिवार की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। सीबीआई विशेष अदालत ने आदेश दिया है कि जांच पूरी होने तक भुल्लर के सभी 26 बैंक खाते फ्रीज रहेंगे। सीबीआई के साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी जांच शुरू कर दी है। ईडी जल्द ही पंजाब के कुछ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को पूछताछ के लिए नोटिस भेज सकती है। जांच एजेंसी को कुछ नए और अहम सबूत मिले हैं, जिनके आधार पर कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। सीबीआई ने अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। रिमांड के दौरान भुल्लर ने जांच एजेंसी को बताया कि पंजाब के अफसर पटियाला के प्रॉपर्टी डीलर के जरिए प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करते हैं। उन्होंने दस आईपीएस और चार आईएएस अधिकारियों के नाम बताए थे। जांच में पता चला कि दस आईपीएस में से आठ अभी भी फील्ड में अहम पदों पर तैनात हैं। दो पंजाब पुलिस की एकेडमी में हैं। वहीं, चार आईएएस अधिकारियों का संबंध किसी न किसी तरह से मंडी गोबिंदगढ़ से है।

सीबीआई ने प्रॉपर्टी डीलर के पटियाला और लुधियाना के ठिकानों पर रेड कर डॉक्यूमेंट्स जब्त किए थे।सीबीआई कोर्ट में भुल्लर और बिचौलिए कृष्णु शारदा की पेशी के दौरान जांच एजेंसी ने एक प्रोग्रेस रिपोर्ट पेश की थी। इसमें बताया कि कृष्णु शारदा के मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस खंगालने पर पता चला है कि वह कई अफसरों की करप्ट डीलिंग में शामिल था।अफसरों के साथ मिलकर केसों की जांच प्रभावित करता था और ट्रांसफर-पोस्टिंग, आर्म्स लाइसेंस बनवाने से लेकर केस दर्ज करवाने या पहले से दर्ज एफआईआर खारिज करवाने तक का काम करता था।

चंडीगढ़ के मास्टर प्लान में संशोधन का विरोध तेज; ऊंची इमारतें बनी तो पीढ़ियां भुगतेंगी खामियाजा, प्रस्ताव टालने की मांग

चंडीगढ़। सिटी ब्यूटीफुल के मास्टर प्लान-2031 में संशोधन के प्रस्ताव का विरोध तेज हो गया है। हाईराइज और हाई-डेंसिटी हाउसिंग प्रस्ताव पर चिंता जाहिर करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन कुमार बंसल ने प्रशासक को पत्र लिखा है और संशोधन प्रस्ताव टालने की गुहार लगाई है। बंसल का मानना है कि यदि शहर की मूल अवधारणा को नुकसान पहुंचा तो उसे दोबारा वापस नहीं लाया जा सकेगा और इसका खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। चंडीगढ़ कोई साधारण शहर नहीं, बल्कि स्वतंत्र भारत के सबसे सफल शहरी प्रयोगों में से एक है।बंसल ने कहा कि यह शहर संतुलन, खुलेपन, हरियाली और बेहतर जीवनशैली को ध्यान में रखकर बसाया गया था। यदि शहर की मूल संरचना से छेड़छाड़ की गई तो इसकी विशिष्ट पहचान हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। बंसल ने कहा कि शहरवासियों की मांग हमेशा सीमित और स्पष्ट रही है। लोगों ने केवल चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड फ्लैटों में जरूरत के अनुसार किए गए बदलावों को नियमित करने तथा इंडस्ट्रियल एरिया में फ्लोर एरिया रेशियो (एफआरए) बढ़ाने की मांग की थी। लेकिन पूरे शहर को पुनः घनी आबादी वाला बनाने या इसकी वास्तु संरचना बदलने की कभी सार्वजनिक मांग नहीं रही।बंसल का तर्क है कि चंडीगढ़ की मौजूदा आधारभूत संरचना पहले ही भारी दबाव में है। शहर को मूल रूप से लगभग पांच लाख आबादी के लिए डिजाइन किया गया था, जबकि वर्तमान में यहां 12 लाख से अधिक लोग रह रहे हैं।

देश में सबसे अधिक वाहन घनत्व वाले शहरों में शामिल चंडीगढ़ में ट्रैफिक जाम रोजमर्रा की समस्या बन चुका है। ऐसे में बड़े-बड़े अपार्टमेंट प्रोजेक्ट शुरू होने से पानी, सीवरेज, बिजली और पार्किंग जैसी समस्याएं और गंभीर हो जाएंगी। बंसल ने आरोप लगाया कि प्रशासन बिना किसी वैज्ञानिक अध्ययन के पूरे शहर के भविष्य के साथ प्रयोग कर रहा है। अब तक न तो ट्रैफिक इम्पैक्ट असेसमेंट सार्वजनिक किया गया है और न ही कोई पर्यावरणीय प्रभाव अध्ययन सामने आया है।

उन्होंने कहा कि केवल पड़ोसी राज्यों की तर्ज पर हाईराइज निर्माण करना चंडीगढ़ के लिए उचित नहीं होगा। बंसल ने कहा कि शहरीकरण की जरूरतों को पूरा करने के लिए चंडीगढ़ की सीमित जमीन पर अतिरिक्त बोझ डालने की बजाय मोहाली, जीरकपुर और पंचकूला जैसे आसपास के क्षेत्रों को विकसित किया जाना चाहिए। चंडीगढ़ को अपनी मौजूदा जीवन गुणवत्ता और हरियाली को सुरक्षित रखने पर ध्यान देना चाहिए।

चंडीगढ़ में ट्रिब्यून चौक से जीरकपुर तक बिना ब्रेक दौड़ेगा ट्रैफिक; 4.5 किमी. लंबे फ्लाईओवर की तैयारी शुरू, DPR के लिए एजेंसी नियुक्त

चंडीगढ़। ट्रिब्यून चौक पर फ्लाईओवर निर्माण के लिए आगे कदम बढ़े हैं। केंद्र सरकार ने इस प्रोजेक्ट की दिशा में प्रक्रिया तेज कर दी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने करीब 4.5 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए सलाहकार एजेंसी नियुक्त कर दी है। अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना पर लगभग 300 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। एजेंसी तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपेगी। प्रस्तावित छह लेन फ्लाईओवर बनने के बाद ट्रिब्यून चौक से जीरकपुर बॉर्डर तक पूरा मार्ग सिग्नल फ्री हो जाएगा, जिससे रोजाना हजारों वाहन चालकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

दो हिस्सों में बनेगा फ्लाईओवर

अधिकारियों के अनुसार सेक्टर-32 स्थित जीएमसीएच चौक से सीधे जीरकपुर बॉर्डर तक एकल फ्लाईओवर बनाना संभव नहीं था, क्योंकि पोल्ट्री फार्म चौक के पास रेलवे ओवरब्रिज पहले से मौजूद है। इसी कारण परियोजना को दो हिस्सों में बांटा गया है।योजना के तहत पहला फ्लाईओवर ट्रिब्यून चौक पर बनाया जाएगा, जबकि दूसरा फ्लाईओवर रेलवे ओवरब्रिज के पास से शुरू होकर जीरकपुर बॉर्डर पर बने फ्लाईओवर से जुड़ेगा। इससे पोल्ट्री फार्म चौक, हल्लोमाजरा लाइट प्वॉइंट और पुराने एयरपोर्ट लाइट प्वॉइंट पर लगने वाले जाम में कमी आने की संभावना है। प्रतिदिन गुजरते हैं 1.43 लाख वाहन ट्रिब्यून चौक शहर के सबसे व्यस्त ट्रैफिक जंक्शनों में शामिल है। यहां से प्रतिदिन करीब 1.43 लाख वाहन गुजरते हैं, जिनमें 1.35 लाख से अधिक यात्री वाहन शामिल हैं। सुबह और शाम कार्यालय समय के दौरान इस मार्ग पर अक्सर लंबा जाम लग जाता है। प्रशासन का मानना है कि फ्लाईओवर बनने के बाद ट्रैफिक का दबाव कम होगा और लोगों का सफर तेज एवं सुरक्षित बनेगा। इसी बीच पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने ट्रिब्यून चौक फ्लाईओवर परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई पर रोक लगा दी है। अदालत में दायर याचिका में कहा गया कि फ्लाईओवर परियोजना शहर के मास्टर प्लान और हेरिटेज स्वरूप के खिलाफ है। वहीं यूटी प्रशासन ने अदालत में कहा कि मास्टर प्लान-2031 में फ्लाईओवर निर्माण की अनुमति है और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए 5:1 अनुपात में 2,799 पौधे लगाने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि ट्रिब्यून चौक फ्लाईओवर परियोजना का ठेका हाल ही में सिंगला कंस्ट्रक्शन को 147.98 करोड़ रुपये में दिया गया है। 1.6 किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट में रोटरी और अंडरपास भी शामिल होंगे। निर्माण कार्य मई 2026 से शुरू होकर दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

शरीर को जर्जर कर सकती है इस विटामिन की कमी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन से भरपूर आहार लेना जरूरी है। अगर किसी एक विटामिन की कमी हो जाए तो इससे पूरी बॉडी पर असर पड़ता है। धीरे-धीरे रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है और शरीर बीमारियों का घर बना जाता है। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन सी सबसे जरूरी है। जो हमारे शरीर को रोगों से लड़ने की क्षमता देता है और उसे मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। अगर शरीर में विटामिन सी की कमी (Vitamin C Deficeieny) हो जाए तो इससे आप जल्दी बीमार पड़ने लगते हैं। मामूली सर्दी जुकाम भी शरीर पर असर दिखाने लगता है। इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण बाल टूटने लगते हैं। हड्डियां कमजोर हो जाती है और चेहरे पर अर्ली एजिंग के निशान दिखने लगते हैं। विटामिन सी की कमी ओरल हेल्थ यानि आपके दांत और मसूड़ों को भी प्रभावित करती है। यानि शरीर में विटामिन सी कमी होने पर पूरा ढांचा ही खराब होने लगता है।

आप विटामिन सी की कमी के लिए कुछ खास चीजें अपनी डाइट में शामिल करें। जिससे शरीर को रोजाना की विटामिन सी की जरूरतों को पूरा करने में आसानी हो। खाने-पीने में ऐसी कई चीजें है जो आपकी विटामिन सी की डेली नीड्स को पूरा कर सकती हैं। आइये जानते हैं विटामिन सी से भरपूर भोजन क्या है? किन चीजों में विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है?

विटामिन सी से भरपूर चीजें

आंवला- विटामिन सी के लिए आवला को सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है। आंवला में भरपूर विटामिन सी पाया जाता है। डेली किसी भी तरह 1 आंवला खाने की कोशिश करें। एक मीडियम साइज का आंवला खाने से 600- 700 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है। आप रोजाना आंवला का जूस, आंवला पाउडर, आंवला का अचार या आंवला की चटनी खा सकते हैं।

अमरूद- ज्यादातर लोगों को लगता है कि सिर्फ खट्टी चीजों में ही विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। फलों में अमरूद विटामिन सी से भरपूर माना जाता है। एक मीडियम साइज का अमरूद रोजाना खाने से करीब 228 मिलीग्राम विटामिन ष्ट मिलता है। इसलिए डाइट में अमरूद जरूर शामिल करें।

कीवी- फलों में रोजाान कीवी खाने से भी विटामिन सी की कमी को दूर किया जा सकता है। इसलिए रोजाना 1 कीवी जरूर खाया करें। 1 कीवी में लगभग 92 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। जिससे आपको डेली की जरूरतों को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं।

पपीता- लगभग 1 कप पपीता खाने से शरीर को 88 मिलीग्राम विटामिन सी मिल जाता है। इसलिए पपीता को डेली डाइट में शामिल करें। पपीता गर्मियों में पेट को हेल्दी रखने में मदद करता है और इससे शरीर को दूसरे जरूरी विटामिन भी मिल जाते हैं। पपीता खाने से विटामिन सी की कमी दूर हो सकती है।

संतरा और नींबू- विटामिन सी के लिए संतरा, मौसमी और नींबू को भी बहुत अच्छा माना जाता है। सिट्रिक फ्रूट्स में विटामिन सी पाया जाता है। रोजाना एक मीडियम संतरा खाने से शरीर में 70 मिलीग्राम विटामिन सी पहुंचता है। आप संतरा का जूस भी पी सकते हैं। वहीं 100 ग्राम नींबू खाने से भी करीब 50-60 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है।

किन लोगों को मट्ठा पीने से परहेज करना चाहिए?

गर्मियों के मौसम में लोगों को छाछ पीना काफी पसंद होता है। छाछ शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाने का काम करती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छाछ आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकती है? कुछ लोगों को छाछ को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाने से बचना चाहिए वरना उनकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। आइए छाछ पीने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में जानते हैं।

गले से जुड़ी समस्या

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक अगर आप सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी गले से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो आपको छाछ का सेवन करने से बचना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि छाछ की तासीर ठंडी होती है। यही वजह है कि खांसी-जुकाम में छाछ पीने की वजह से आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है।

एक्जिमा का शिकार लोग

अगर आपको एक्जिमा है, तो आपको छाछ को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए। छाछ में मौजूद कुछ तत्व आपकी त्वचा की सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। एक्जिमा का शिकार लोगों को मट्ठा पीने से त्वचा पर जलन, खुजली या फिर लालपन जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है।

लैक्टोज इनटॉलेरेंट

क्या आप लैक्टोज इनटॉलेरेंट हैं? अगर हां, तो आपको छाछ नहीं पीनी चाहिए वरना आपकी तबीयत खराब हो सकती है। लैक्टोज इनटॉलेरेंस की समस्या से जूझ रहे लोगों को छाछ या फिर दूध से बनी चीजों को कंज्यूम करने से बचना चाहिए। इस तरह के लोग दूध को सही तरीके से डाइजेस्ट नहीं कर पाते जिसकी वजह से उनकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

अगर आप भी इस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो आपको छाछ पीने से बचना चाहिए वरना आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

गर्मियों में पेट के लिए वरदान है सौंफ खाते ही जलन-एसिडिटी को करता है दूर

गर्मियों में पेट से जुड़ी समस्याएं काफी परेशान करती हैं। जरा सा तेल मसालेदार खाना खाने से ही जलन, गैस और एसिडिटी होने लगती है। ऐसा लगता है कि खाने में सिर्फ ठंडी चीजों को ही शामिल करें। खाने के बाद जिनको ज्यादा ब्लोटिंग होती है उन्हें डाइट में कुछ घरेलू चीजों को शामिल करना चाहिए, जिससे गैस एसिडिटी कम हो। रसोई में रखी ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें खाने से पेट की जलन और गैस एसिडिटी को कम किया जा सकता है। इसके लिए सौंफ बेहतरीन मसाला है। सौंफ खाने से पेट ठंडा रहता है। गर्मियों में खाने के बाद 1 चम्मच सौंफ खाने से डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं नहीं होती हैं। जानिए कब और कैसे करें सौंफ का इस्तेमाल?

पेट की जलन दूर कर देगा ये मसाला

गर्मियों में सौंफ का सेवन जरूर करना चाहिए। सौंफ की तासीर ठंडी होती है। गर्मियों में कई ड्रिंक्स और दूसरी डिश में सौंफ का उपयोग किया जाता है। आप सुबह खाली पेट सौंफ का पानी पी सकते हैं। इससे पेट को ठंडक मिलेगी और जलन कम होगी। गैस एसिडिटी को भी सौंफ खाकर दूर किया जा सकता है।

कैसे करें सौंफ का सेवन

सौंफ को खाने के बाद ऐसे ही चबाकर खा सकते हैं। सौंफ और मिश्री मिलाकर भी खा सकते हैं। सौंफ को पीसकर पाउडर बना लें। पानी के साथ 1 चम्मच सौंफ का पाउडर खा लें। आप चाहें तो सौंफ का पानी भी पी सकते हैं। एसिडिटी बहुत ज्यादा बनने वालों को सुबह खाली पेट कुछ दिनों सौंफ का पानी पीना चाहिए।

सौंफ के फायदे

सौंफ का सेवन करने से पाचन मजबूत होता है। सौंफ में फाइबर भरपूर होता है जिससे डाइजेशन में मदद मिलती है।

सौंफ लिवर के लिए भी अच्छी मानी जाती है। सौंफ का सेवन करने से लिवर डिटॉक्स होता है। इससे शरीर में जमा गंदगी साफ हो जाती है।

सौंफ खाने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है। शरीर पर जमा फैट कम होने लगता है।

पुरानी कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए सौंफ का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। कब्ज से परेशान लोगों को सौंफ जरूर खानी चाहिए।

ब्लड प्रेशर को ठीक रखने में भी सौंफ मदद करती है। इससे बीपी कंट्रोल होगा और दिमाग भी शांत होगा।

सौंफ का सेवन फीड कराने वाली महिलाओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है।

फायदेमंद होता है धनिए का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक धनिए के पानी में विटामिन सी, ए, के, बी6, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, कॉपर, जिंक, सेलेनियम, मैंगनीज, सोडियम, फोलेट, थायमिन, नियासिन, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यही वजह है कि औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक धनिए के पानी में पाए जाने वाले तत्व आपकी गट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। क्या आप गैस, एसिडिटी या फिर कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको धनिए के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। धनिए का पानी आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकता है।

बॉडी को डिटॉक्स करने में कारगर

धनिए का पानी पीकर आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स कर अपनी किडनी और अपनी लिवर के सेहत को मजबूत बना पाएंगे। धनिए के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में असरदार साबित हो सकते हैं। धनिए का पानी पीकर आप अपने ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं यानी डायबिटीज पेशेंट्स के लिए ये ड्रिंक फायदेमंद साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से धनिए के पानी को कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

कैसे बनाएं धनिए का पानी?

धनिए का पानी बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले धनिए के बीजों को रात भर के लिए पानी में भिगोकर रखें। अब आप अगली सुबह इस पानी को छानकर पी सकते हैं। इसके अलावा धनिए की पत्तियों को पानी में बॉइल करके भी कंज्यूम किया जा सकता है।

गर्मियों में ककड़ी खाने के फायदे

ककड़ी में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, पोटैशियम और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। गर्मियों में ककड़ी का सेवन कर आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को पैदा होने से रोक सकते हैं। आइए सही मात्रा में और सही तरीके से ककड़ी को कंज्यूम करने के कुछ जबरदस्त स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानते हैं।

नहीं होगा डिहाइड्रेशन

रोज ककड़ी खाने की वजह से आपकी बॉडी हाइड्रेटेड रहेगी और आप गर्मियों में होने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बच जाएंगे। ककड़ी को हड्डियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी ककड़ी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। कुल मिलाकर ककड़ी आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

ककड़ी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए ककड़ी का सेवन किया जा सकता है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल पर काबू पाने के लिए ककड़ी को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। ककड़ी आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है।

सेवन करने का तरीका

ककड़ी को आप सलाद में शामिल कर सकते हैं। अगर आपको सलाद के तौर पर ककड़ी का सेवन करना पसंद नहीं है, तो आप ककड़ी का जूस बनाकर भी पी सकते हैं। अगर आप चाहें तो ककड़ी का रायता भी बना सकते हैं।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

नौहीद साइरूसी ने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में बताया

'अनवर' फेम नौहीद साइरूसी पिछले कुछ समय से फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। फैंस लगातार उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछ रहे थे, जिसके बाद उन्होंने अब इस पर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में भी बताया, जिसे सुनकर सब चौंक गए।

नौहीद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी गैरमौजूदगी की असली वजह बताई। वीडियो में वह स्किनकेयर करते हुए नजर आईं और एक फैन के मैसेज का जवाब दिया, जिसमें पूछा गया था, 'आपकी कोई आने वाली फिल्म या शो है?'

इस पर उन्होंने साफ कहा कि यह सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल है और अब वह इसका सीधा जवाब देना चाहती हैं।

नौहीद ने बताया कि इंडस्ट्री में काम करने के दौरान कुछ ऐसी उम्मीदें होती हैं, जो उन्हें अनकंफर्टेबल कर देती हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय यह मान लिया जाता है कि एक्टर को किसिंग या इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन ऐसा नहीं होता है।

उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में आज के समय में काम करना अच्छा है, लेकिन एक चीज है जो कॉन्ट्रैक्ट में होती है। आपको किसिंग और इंटिमेट सीन करने में पूरी तरह कम्फर्टेबल होना पड़ता है। मुझे ऐसा लगता है कि आजकल बिना वजह भी ऐसे सीन जोड़ दिए जाते हैं। और सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि हम स्क्रीन पर किसिंग करते हुए अच्छे लगते हैं। पता नहीं क्यों, शायद इन्हें सही तरीके से शूट करना नहीं आता।' उन्होंने आगे बताया कि इस सोच की वजह से उन्हें अपने करियर में नुकसान भी उठाना पड़ा। उन्होंने कहा, 'कई बार तो ऐसा होता है कि मैं हां या ना भी नहीं कह पाती, उससे पहले ही मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है, क्योंकि मैं कहती हूं कि मैं किसिंग सीन में कम्फर्टेबल नहीं हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं उन लोगों में से नहीं थी जो एक्टर्स या प्रोड्यूसर्स के ग्रुप में घूमती रहती हों। मेरी एक्टिंग के अलावा भी एक पूरी जिंदगी थी। इसी वजह से मुझे अक्सर नुकसान झेलना पड़ता था। मुझे सिर्फ किसी की बहन, किसी की भाभी जैसे छोटे रोल ही मिलते थे। लेकिन मैंने सोच लिया था कि मुझे ऐसा काम नहीं करना है। मैं ऐसे रोल करने से बेहतर है कि काम ही ना करूं।' उन्होंने आगे कहा, 'फिर मुझे समझ आया कि इंस्टाग्राम ही मेरा असली रास्ता है।

बॉम्बे स्टोरीज में अपने किरदार पर खुलकर बोलीं अनुप्रिया

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा रही है। किसी भी कलाकार के लिए कान्स तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है और अनुप्रिया के लिए भी यह मौका बेहद खास है, क्योंकि यह उनकी पहली इंडिपेंडेंट फिल्म है। फिल्म का निर्देशन राहत शाह काजमी ने किया है और इसकी कहानी मशहूर लेखक सआदत हसन मंटो की चर्चित कहानी 'हतक' से प्रेरित है। फिल्म में समाज के उस हिस्से की कहानी दिखाई गई है, जिसके बारे में अक्सर लोग खुलकर बात नहीं करते। फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' में अनुप्रिया गोयनका एक सेक्स वर्कर के किरदार में हैं। उनके साथ फिल्म में मौनी रॉय और सुष्मिता सिंह भी अहम भूमिकाएं निभा रही हैं। फिल्म में सेक्स वर्कर्स की जिंदगी, उनके संघर्ष, समाज के नजरिए और उनके भीतर छिपी भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अनुप्रिया ने कहा, ''मैं लंबे समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थीं। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरी पहली फिल्म मंटो की कहानी पर आधारित है। 'हतक' शब्द का मतलब अपमान होता है और फिल्म की कहानी भी इसी भावना के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरा किरदार सौगंधी समाज की नजरों और लोगों के फैसलों के बीच खुद को समझने की कोशिश करती है।'' अभिनेत्री ने अपने किरदार को समझाते हुए कहा, ''सौगंधी एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी को उसी रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसके दिल में भी प्यार और सम्मान पाने की चाहत है। वह चाहती है कि कोई उसे सिर्फ शरीर की नजर से न देखे, बल्कि उसे एक इंसान और एक महिला के रूप में महसूस करे। इस किरदार में मुझे खुद की कई भावनाएं नजर आईं। मैंने इस किरदार को निभाते हुए एक महिला के कई अलग-अलग पहलुओं को समझा और महसूस किया।'' अनुप्रिया गोयनका ने सेक्स वर्क को लेकर कहा, ''अगर कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से यह काम चुनता है, तो यह उसका अधिकार और उसका फैसला है। इसे किसी दूसरे पेशे की तरह ही देखा जाना चाहिए। लेकिन जब किसी महिला को मजबूरी में इस काम में धकेला जाता है, उसके अधिकार छीन लिए जाते हैं या उसे इंसान की तरह सम्मान नहीं मिलता, तब यह गलत और दुखद बन जाता है।'' उन्होंने कहा, ''समाज में सेक्स वर्कर्स को अक्सर सिर्फ एक वस्तु की तरह देखा जाता है, जबकि उनके भी सपने, भावनाएं हैं और उन्हें भी सम्मान की जरूरत होती है। जब तक किसी को उसकी इच्छा के खिलाफ इस काम में मजबूर नहीं किया जाता, तब तक समाज को उसे जज करने का अधिकार नहीं होना चाहिए।''

साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर बोमन ईरानी ने रखी अपनी राय

अभिनेता बोमन ईरानी की फिल्म 'पेड्डी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म को लेकर उत्साहित अभिनेता प्रमोशन में व्यस्त भी हैं। इस बीच उन्होंने साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर अपनी राय रखी। अभिनेता का स्पष्ट तौर पर मानना है कि हम सब भारतीय हैं और इंडस्ट्री में भाषा नहीं बल्कि कहानी और काम मायने रखता है। उन्होंने भारतीय सिनेमा जगत में लंबे समय से चली आ रही उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत की बहस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इस बंटवारे से वह पूरी तरह थक चुके हैं और बताया कि आखिरकार हम सब एक हैं- हम सब भारतीय हैं। बातचीत के दौरान बोमन ईरानी ने बताया, 'सच कहूं तो, मैं अब इस उत्तर-दक्षिण भारत की बहस से ऊब चुका हूं। आखिरकार, हम सब भारतीय ही तो हैं। देश में हर 200 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई किसी दूसरे को विदेशी समझे।'

बोमन ने कहा, 'दिल्ली का रहने वाला व्यक्ति मुझसे अलग तरह की हिंदी बोलेगा लेकिन सिनेमा वही रहता है। इंसानियत वही रहती है और इस देश से प्यार करने वाले लोग भी वही हैं। आज भारतीय सिनेमा क्षेत्रीय सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका है। अलग-अलग भाषाओं में बनी फिल्में पूरे देश के साथ ही दुनिया में भी सराही जा रही है। अपनी अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' का उदाहरण देते हुए बोमन ने कहा, 'हैदराबाद में बनी फिल्म का प्रचार करने के लिए लोग मुंबई आ रहे हैं। यह हमारे खूबसूरत देश का ही हिस्सा है।' बोमन ईरानी ने अभिनय की गहराई पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भाषा चाहे हिंदी हो, अंग्रेजी हो या मराठी, अभिनेता को संवाद के अंदरूनी अर्थ यानी सबटेक्स्ट को समझना चाहिए। आप पहले अपनी भाषा में सोचिए, फिर उसे कहिए। दर्शकों तक भाव पहुंच जाना चाहिए।' 'मुन्ना भाई एमबीबीएस.', '3 ईडियट्स', 'खोसला का घोसला', 'डॉन' और 'पीके' जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले बोमन ईरानी की अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' में राम चरण, जान्हवी कपूर और दिव्येंदु शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

क्या शाहरुख की 'किंग' का हिस्सा होंगे रणवीर सिंह?

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में 'किंग' की शूटिंग की तस्वीरें वायरल हुईं, जिसने लोगों का ध्यान खींचा है। अब खबरें आ रही हैं कि 'धुरंधर' स्टार रणवीर सिंह 'किंग' का हिस्सा होंगे। सोशल मीडिया पर कई फैंस इस बारे में ट्वीट कर रहे हैं। ऑनलाइन चल रही चर्चाओं के मुताबिक, रणवीर जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'किंग' में नजर आ सकते हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया हैंडल्स पर की गई कुछ अपुष्ट पोस्ट्स में दावा किया गया है कि इस फिल्म में रणवीर एक स्पेशल रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण भी मुख्य भूमिका में हैं। कई पोस्ट के अनुसार रणवीर ने कथित तौर पर लगभग दो हफ्ते पहले इंटरनेशनल शेड्यूल के दौरान 'किंग' के लिए एक खास सीक्वेंस शूट किया है। हालांकि इस प्रोजेक्ट में उनकी भागीदारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर यह चर्चा तब शुरू हुई जब एक्टर को फिल्म के सेट पर देखा गया। शुरुआत में, सेट पर रणवीर सिंह को देखकर यह माना गया था कि यह उनकी एक निजी यात्रा है। खबरें थीं कि रणवीर अपनी गर्भवती पत्नी दीपिका और एक साल की बेटी दुआ के साथ आए थे। हाल ही में रणवीर को फिल्म के क्रू सदस्यों के साथ पोज देते हुए भी देखा गया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं।

एक्शन-थ्रिलर 'बेनाम' में लीड रोल निभाएंगे वीर पहाड़िया

अभिनेता वीर पहाड़िया अपनी अगली फिल्म 'बेनाम' के साथ एक नए सिनेमाई सफर के लिए तैयार हैं। इस अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म में वीर लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं, इस प्रोजेक्ट को और दिलचस्प बनाते हुए अनुभवी फिल्ममेकर महेश भट्ट फिल्म के प्रेजेंटर के तौर पर जुड़ चुके हैं, जिससे फिल्म को एक मजबूत क्रिएटिव सपोर्ट भी मिला है। माना जा रहा है कि 'बेनाम' एक रूटेड एक्शन एंटरटेनर है, जिसमें दमदार इमोशंस के साथ हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। इसके अलावा, फिल्म में एक कमर्शियल अपील वाला म्यूजिक एल्बम भी शामिल होने की उम्मीद है। मेकर्स का लक्ष्य एक्शन, इमोशन और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाते हुए दर्शकों को एक दमदार सिनेमाई अनुभव देना है।

सूत्रों के मुताबिक, वीर इस फिल्म में पहली बार एक रफ और रग्ड एंटी-हीरो के किरदार में नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि यह किरदार अभिनेता की अब तक की स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग होगा और उनके व्यक्तित्व का एक गहरा और इंटेंस पक्ष दर्शकों के सामने आएगा। माना जा रहा है कि हो सकता है, यह फिल्म वीर के करियर में एक नया मोड़ भी साबित हो। हालांकि फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट और तकनीकी टीम को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। वैसे आने वाले दिनों में मेकर्स आधिकारिक घोषणा के साथ फिल्म से जुड़ी और जानकारी साझा कर सकते हैं। लहाल एक दमदार एक्शन कहानी, इमोशनल ड्रामा और महेश भट्ट की मौजूदगी के साथ 'बेनाम' ने अभी से फिल्म प्रेमियों और इंडस्ट्री के लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। वहीं, यह फिल्म वीर पहाड़िया के लिए भी एक अलग और एक्शन-प्रधान अवतार में खुद को साबित करने का बड़ा मौका मानी जा रही है।

मेरी सफलता मेरी खुद की है, जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा नेअपने करियर, अभिनय और सिनेमा से जुड़े कई पहलुओं पर दिलचस्प बातें साझा कीं।

मेरी सफलता मेरी खुद की है

मंच पर पहुंचीं ऋचा से जब पूछा गया कि क्या स्टेज पर आने पर या परफॉर्म करते वक्त नर्वसनेस होती है? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'नर्वस तो नहीं होती लेकिन जब मेरी इतनी तारीफ होती है तो अविश्वसनीय लगता है। लखनऊ मेरा ससुराल है। अपनी यात्रा को लेकर मैं बहुत तहे दिल से शुक्रगुजार हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि मुझे मेरे पसंदीदा करियर में मुकाम मिला है। मैं फिल्मी खानदान से नहीं हूं। तो यह अच्छा लगता है कि यहां तक अपने दम पर पहुंची हूं। लोग नेपोटिज्म पर बात करते हैं। मगर, इसका उल्टा भी होता है। मेरा सक्सेस मेरा खुद का है।

जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'किसी का करियर या जिंदगी एक प्रोसेस होती है। उसमें कोई डेस्टिनेशन नहीं होती। मैं जीत और हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती। मुझे अच्छा लगता है कि मैं अपने उसूलों को कायम रखकर अपना काम चुन-चुनकर यहां तक पहुंची हूं। हां, करियर की शुरुआत में जरूर कुछ ऐसी स्क्रिप्ट में काम किया जिन्हें कहते हैं कि अपना दिमाग घर पर रखकर आओ।'

कभी जर्नलिस्ट बनने की चाहत थी

क्या ऋचा हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं? पूछा जाने पर ऋचा ने कहा, 'बनना तो चाहती थी पर मुझे पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। मैं जर्नलिस्ट भी बनना चाहती थी। मेरी हिंदी-इंग्लिश दोनों बहुत अच्छी थी। म्यूजिक में भी रुचि थी। एक्टिंग का शौक था। फिर यह रुचि, ऋचा पर हावी हो गई और मैंने अपना करियर पथ चुना।'

मैंने हमेशा स्ट्रगल का स्वाद लिया

अपने शुरुआती दौर पर बात करते हुए ऋचा ने कहा, 'शुरुआत में मेरा बहुत स्ट्रगल रहा। मैं कोई दुख की ऐसी कहानी आपके साथ नहीं साझा करना चाहती कि मैं रेलवे स्टेशन पर सोई। मैंने स्ट्रगल का बहुत स्वाद लिया। यही सोचा कि जब मेरे पास फेम और पैसा आ जाएगा तो यह संघर्ष के दिन मुझे कितने याद आएंगे। कभी केतली में मैगी बनाकर भी खाती थी, वो स्ट्रगल सबका होता है पर ऊपर वाला बहुत कृपालु रहा।'

लोग क्या कहेंगे? यह नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'दुनिया का सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग। मुझे यह रोग नहीं पालना। मैं अपने सपनों के लिए, अपने समाज के लिए काम करना चाहती हूं। इसमें कुछ तो लोग कहेंगे... लोगों का काम है कहना, यह गाना सुनकर मैं अपना मन बहला लेती हूं। यह हमारी जर्नी का हिस्सा है।'

इंडस्ट्री को एक सोच बदलनी हो तो कहां जरूरत है उसकी?

मुझे बॉलीवुड में कुछ नहीं बदलना। वह एक सोसाइटी की झलक है। सोसाइटी बदलेगी तो बॉलीवुड बदल जाएगा। हमें ऐसी सोसाइटी बनाने है, जो बराबरी की हो, महिलाओं की इज्जत करे। ऐसा कुछ सोसाइटी होगी तो इंडस्ट्री में भी ऐसा हो जाएगी। मुझे लगता है कि औरत के अनगिनत लेबर पर हम गाने बनाते हैं। आज उसी की वजह से विज्ञापनों में कितना बदलाव है। यह बदलाव समाज में तेजी से दिखते हैं।

आप बेटी की मां हैं? आप उसे क्या सिखाना चाहेंगी?

मैं अपनी बेटी को बताऊंगी कि तुम अन्नपूर्णा हो पर शक्ति भी हो। काली का चित्र बेटी को दिखाऊंगी, जिसमें महिषासुर का सिर उनके हाथ में है। ऐसी देवी आपको कहीं नहीं मिलेगी, हिंदुस्तान के अलावा। मेरी प्रेरणा मां काली हैं। मैं अपनी बेटी को भी यह सिखाऊंगी। सिर्फ बेटी की मां नहीं, बेटों की भी। मैं चाहूंगी कि एक दिन ऐसा आए कि जो रेप पीड़िता का नाम हम छिपाते हैं, उनकी गलती थी क्या? आदमियों का नाम ब्लर करना चाहिए।

चैरिटी करने की प्रेरणा कहां से मिली?

अली की जो मामी हैं, उन्होंने पूरे लॉकडाउन में बहुत सारे कारीगरों को नौकरी से नहीं निकाला इससे मुझे बहुत प्रेरणा मिली। मुझे लगा कभी भी चैरिटी करने से अच्छा है कि किसी को इतना सक्षम कर दो कि वह अपने परिवार के लिए कमा सके। इसकी अभी शुरुआत हुई है। इसमें छपाई का काम औरत करती हैं और कढ़ाई पुरुष करते हैं। महिला और पुरुष मिलकर काम करते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।